तापमान
अधिकतम 35 .05 डिग्री
न्यूनतम 20 .06 डिग्री

हरिभूमि
# जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 31 अगस्त, 2025

10 रोटरी क्लब अंबाला डायमंड के प्रधान बने राजीव मल्होत्रा

10 साइबर ठगी के मामले में तीन बदमाश किए काबू

## खबर संक्षेप

### 18.60 ग्राम हेरोइन समेत युवक गिरफ्तार

**यमुनानगर।** जिले की एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने बूड़िया चौक जगाधरी के पास से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 18.60 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आरोपी जगाधरी के खेड़ा बाजार निवासी मोहित भोला से पकड़ी गई हेरोइन की कीमत बाजार में करीब 54 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

### नशा तस्करी के आरोप में युवक गिरफ्तार

**अंबाला।** थाना बराड़ा में दर्ज नशा तस्करी के मामले में पुलिस ने एक अन्य आरोपी वसीम को भी गिरफ्तार किया है। मामले में पहले गिरफ्तार आरोपी मुस्तकीम का 1 दिन का रिमांड लिया गया था। रिमांड के दौरान आरोपी ने बताया कि आरोपी वसीम भी नशा तस्करी के इस मामले में संलिप्त है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। इसी आधार पर पुलिस ने रेलवे ब्रिज के पास दिबश देकर आरोपी युवक मुस्तकीम को काबू किया था। तलाशी लेने पर उससे 8 ग्राम 30 मिलिग्राम हेरोइन बरामद हुई थी।

### चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

**अंबाला।** थाना बराड़ा में दर्ज चोरी के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी मांगा राम को गिरफ्तार किया है। मामले में संलिप्त एक आरोपी को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। सीआईए-2 के निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि पीड़ति महिला ने 5 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह परिवार के साथ कुरूक्षेत्र में बेटी का पेपर दिलवाने गई थी। घर वापिस आने पर उसका घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। किसी आरोपी ने उसके घर से एसी, एलईडी, इनवर्टर व सोना चांदी के जेवरात चोरी कर लिए हैं। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

करनाल में राज्य स्तरीय मेले में बोले केंद्रीय आवासन मंत्री मनोहर लाल

# कौशल से बनें नौकरी देने वाले, न कि सिर्फ पाने वाले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

डॉ. मंगलसेन सभागार में 75वां राज्य स्तरीय रोजगार मेला भव्य रूप से आयोजित हुआ। केंद्रीय आवासन, ऊर्जा एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा यदि स्किल पर ध्यान देंगे तो वे न केवल नौकरी पाने वाले बल्कि नौकरी देने वाले भी बनेंगे।

यही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत है। मेले में लगभग 50 कंपनियां पहुंचीं और 2 हजार युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य रखा गया। दोपहर तक 4 हजार से अधिक युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया। केंद्रीय मंत्री ने आठ युवाओं को प्रतीकात्मक नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार युवाओं को विदेशों में भी रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। अब तक 200 युवाओं को इजरायल भेजा जा चुका है और एक हजार की नई मांग आई है। करनाल विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि बिना पर्ची और बिना खर्ची युवाओं को रोजगार मिलना आज बड़ी उपलब्धि है। देश भगत यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. जोरा सिंह ने बताया कि यह हरियाणा का पहला राज्य स्तरीय रोजगार मेला है, जबकि पंजाब, हिमाचल व जम्मू-कश्मीर में पहले ही 74 मेले हो चुके हैं।

- मेले में दो हजार युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने का लक्ष्य रखा

करनाल। राज्य स्तरीय रोजगार मेले के दौरान उपस्थित केंद्रीय आवासन, ऊर्जा एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

### नजरिया बदलें युवा

इस अवसर पर समाजसेवी राजविंद्र बोपाराय ने युवाओं को विनम्रता अपनाने और नजरिया बदलने की सलाह दी तथा बाबा बंदा बहादुर लौहगढ़ ट्रस्ट के लिए 5 लाख रुपये का चैक भेंट किया। मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. प्रभलीन ने युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में मेहनत और निष्ठा से आगे बढ़ने का संदेश दिया और कहा कि यह मेला हजारों परिवारों के लिए खुशियाँ लाएगा।

### ये रहे मौजूद

इस मौके पर इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप, असंध विधायक योगेन्द्र राणा, नीलोखेड़ी विधायक भगवानदास कबीरपंथी, पूर्व सांसद संजय भाटिया, मेयर रेनू बाला गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन लाठर, उपायुक्त उत्तम सिंह, पुलिस अधीक्षक गंगाराम पूनिया, एसडीएम अनुभव मेहता सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

# जम्मू रेल खंड की 51 ट्रेनों का संचालन हुआ बाधित

- पहाड़ी क्षेत्र में तेज बरसात के कारण आई परेशानी
- 300 से ज्यादा यात्रियों को रेलवे की ओर से किया गया रिफंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

जम्मू रेल खंड के बाधित होने पर रेलवे की ओर से अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर 300 से अधिक यात्रियों को लगभग अढाई लाख रुपए का रिफंड किया गया है। यात्रियों की सहायता करने के लिए वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों को भी हिदायत दी गई हैं।

जम्मू जाने वाली ट्रेनों का संचालन पूर्ण तौर पर बंद रखा गया। इस कारण शनिवार को भी 51 ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। इनमें 47 ट्रेनें रद्द तो 4 को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर आरक्षण केंद्र पर जम्मू और कटरा की टिकट बुक करवाने वाले यात्रियों की संख्या नाममात्र रह गई है। इनमें सिर्फ सैन्य कर्मी ही टिकट बुक करवा रहे हैं। जोकि सितंबर माह के पहले और दूसरे सप्ताह की है। अंबाला डिविजन के सीनियर डीसीएम नवीन कुमार झा ने बताया कि जम्मू रेल खंड अभी बाधित हैं। 47 ट्रेनों को पूर्ण तौर पर रद्द रखा गया है।

दो को अंबाला सहित अमृतसर में रद्द किया गया। दो ट्रेनों को इन्हीं दो रेलवे स्टेशनों से संचालित किया गया है। बाढ और अधिक बारिश से पुल के क्षतिग्रस्त होने के कारण यह बाधा आई है।

उन्होंने बताया कि जल्द ही इस समस्या का समाधान हो जाएगा और पूर्व की तरह ही सभी ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा।

### ये ट्रेनें हुई कैंसिल

*ट्रेन नंबर 12425, 14661, 14803, 12413, 12355, 19223, 03309, 19027, 13151, 11077, 12331, 74909, 74907, 22401, 22431, 22439, 26405, 22477, 22461, 12588, 11078, 74906, 74910, 22478, 26406, 12920, 12472, 22440, 14610, 14504, 12446,16032, 22462, 12473, 14691 को पूर्ण तौर पर रद्द किया गया है। जबकि ट्रेन 12237 को अंबाला कैंट स्टेशन पर और 18309 अमृतसर स्टेशन पर रद्द किया गया। जबकि ट्रेन नंबर 12238 बेगमपुरा का संचालन अंबाला और 14609, 12445, 20433, 19803, अंबाला छावनी से और 18102 जम्मूतवी- टाटा नगर का संचालन अमृतसर से किया गया।*

# दो गोशालाओं को मंत्री विज ने बांटे 24 लाख रुपये के चेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गऊशालाओं में रखे जाने वाले बेसहारा गोवंश के लिए वर्ष 2014 से लेकर अभी तक प्रदेश में 413 करोड़ की राशि अनुदान के रूप में प्रदान की गई है। इसी कड़ी में गौशाला एवं गौसदन विकास परियोजना के तहत आज रामबाग गउशाला समिति अंबाला छावनी को 20 लाख 77 हजार रुपये व भगवान श्री परशुराम गौशाला खतौली को 3 लाख 11 हजार रूपए की राशि प्रदान की जा रही है। मंत्री विज ने गउशालाओं के प्रतिनिधियों को आज इन राशि के चेक वितरित किए। उन्होंने ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के भिन्न-भिन्न वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। लोगों का गउ माता के प्रति जो मन में सम्मान है उसी सम्मान के तहत लोग अपनी स्वेच्छा से आगे आकर गउशालाओं की सहायता करें ताकि सड़क पर कोई भी आवारा पशु /गौवंश न हो। सरकार द्वारा समय-समय पर गउशालाओं के संचालन के लिए सहयोग देने का काम किया जाता है।

- दस साल में सरकार ने गोशालाओं को अनुदान में दिए 413 करोड़ रुपये

### पार्क में घूमने गई तीन सहेलियों के साथ युवक ने की छेड़छाड़

**यमुनानगर।** शहर के अटल पार्क में घूमने के लिए गई तीन सहेलियों के साथ एक युवक ने छेड़छाड़ की। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। सदर जगाधरी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी 19 वर्षीय लड़की शहर के एक कॉलेज में पढ़ती है। शुक्रवार को उसकी लड़की अपनी दो सहेलियों के साथ शहर के अटल पार्क में घूमने के लिए गई थी। जहां पर राघव नाम के युवक ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने उन्हें रास्ते में रोक कर उनके साथ छेड़छाड़ की। लड़कियों के विरोध करने पर आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गया। उसकी लड़की ने घर जाकर घटना के बारे में बताया। उसने मामले की सूचना महिला पुलिस थाने में दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी राघव के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

# चीन में हुई गाला चैंपियनशिप में छात्रा हरनूर ने जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल की प्रतिभाशाली छात्रा हरनूर कौर ने चीन में आयोजित बेल्ट एंड रोड यूथ बॉक्सिंग गाला चैंपियनशिप में कमाल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। यह प्रतियोगिता 29 अगस्त तक प्रशिक्षण सह प्रतियोगिता के रूप में आयोजित की गई थी। विद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. विकस कोहली ने इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर हरनूर कौर को हार्दिक बधाई दी और उनके कोच श्री संजय कुमार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने हरनूर के माता-पिता को भी इस सफलता पर शुभकामनाएं दीं। डॉ. कोहली ने कहा हरनूर की यह जीत इस बात का प्रमाण है कि समर्पण और कठिन परिश्रम से असंभव को भी संभव किया जा सकता है। यह उपलब्धि पूरे विद्यालय और अंबाला के लिए गौरव की बात है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे हरनूर की तरह निरंतर प्रयास कर अपने सपनों को साकार करें। स्कूल के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

- इंटरनेशनल मेडल जीतने पर प्रिंसिपल ने छात्रा को दी बधाई

अंबाला। प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल के साथ हरनूर।

बैंक ऑफ बड़ोदा के बाहर घटना

# बैंक के बाहर से दिनदहाड़े सेवानिवृत्त शिक्षक के 1.90 लाख रुपये चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के शहीद भगत सिंह चौक के समीप स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा के बाहर से दिनदहाड़े सेवानिवृत्त शिक्षक के 1.90 लाख रुपये की नकदी चोरी हो गई। जब सेवानिवृत्त शिक्षक बैंक से नकदी निकलवा कर बाहर रेहड़ी पर फल खरीदने लगा तो दो महिलाओं ने बैग काट कर नकदी चुरा ली।

पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार जगाधरी वर्कशॉप के गुरु तेग बहादुर नगर निवासी रामप्यारे पांडे ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हैं। शुक्रवार को वह अपने दोस्त रामबचन के साथ शहीद भगत सिंह चौंक के समीप स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा पर नकदी निकलवाने आए थे।

### दो महिलाओं ने बैग काटकर चुराई नकदी

*पीड़ित ने बैंक से निकलवाए 2.40 लाख रुपये एक पॉलीथिन बैग में डाले थे। इसके बाद वह बैंक के ही बाहर लगी रेहड़ी पर मौसमी खरीदने लगे। तभी वहां दो महिलाएं फल खरीदने के बहाने आईं और फल विक्रेता से मोल-भाव करने लगी। आरोप है कि दोनों महिलाओं ने रामप्यारे पांडे के हाथ में पकड़े पॉलीथिन बैग में कट मार दिया और उसमें से 1.90 लाख रुपये साफ कर दिए। इसका रामप्यारे पांडे को कुछ देर बाद पता चला, जब उन्होंने घर के लिए जाते समय बैग में नकदी जांची। इसमें 1.90 लाख नकदी कम मिली। तब इसकी शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। उधर जांच अधिकारी किरणचंद का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांची जा रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।*

### वृद्धा की आंखों में स्प्रे डालकर बालियां छीनी

**यमुनानगर।** गांव परवालो में दो नकाबपोश युवकों ने देर शाम बुजुर्ग महिला की आंखों में स्प्रे डाल कर उसके कानों से दो सोने की बालियां झपट ली। गए। 60 वर्षीय कुंता देवी ने शिकायत में बताया कि शुक्रवार को वह खेत में चारा लेने गई थी। इसी दौरान जब चारा काट रही थी, तब पीछे से नकाबपोश दो युवक आए। उन्होंने आंखों पर स्प्रे डाला और पकड़कर नीचे गिरा दिया। इसके बाद दोनों युवक उसके कानों से सोने की बालियां झपट कर भाग गए। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया मगर आरोपी मौके से भागने में कामयाब हो गए।

## अस्पताल संचालकों व परिषद अधिकारियों में तीखी नोक-झोंक

**पानीपत।** एसडीएम कोर्ट से केस जीतने के बाद पुलिस फोर्स व ड्यूटी मेजिस्ट्रेट सहित सुपर स्पेशलिटी हस्पताल के फ्रंट में मौके पर अपनी भूमि पर कब्जा लेने पहुंचे नगर परिषद सचिव मनीश शर्मा की अगुवाई में पहुंची टीम बैरंग वापिस लौट गई। करीब दो घंटे तक नगर परिषद अधिकारियों व हस्पताल संचालकों के बीच तीखी नोक झोंक व बहस चली। इस मौका पर डीसी द्वारा नियुक्त ड्यूटी मेजिस्ट्रेट एवं बिजली बोर्ड एसडीओ शिव कुमार व पुलिस फोर्स भी मौजूद थी। हस्पताल संचालकों ने नगर परिषद अधिकारियों की टीम को बताया कि उन्होंने हाई कोर्ट से स्टे ऑर्डर प्राप्त कर लिए हैं। हालांकि जब अधिकारियों ने स्टे ऑर्डर की प्रति मांगी तो वे मौका पर इसे दिखा नहीं पाए। बता दें कि यह कार्रवाही आरटीआई कार्यकर्ता पीपी कपूर की शिकायत के बाद शुरू हुई है।

- हाईकोर्ट से स्टे ऑर्डर के मौखिक आश्वासन पर नपा अधिकारी बैरंग लौटे

पानीपत। अस्पताल संचालकों व परिषद अधिकारियों के बीच नोक झोंक का दृश्य।

बेलर एसोसिएशन की प्रदेश स्तरीय बैठक में गरजे संचालक, दी चेतावनी

# मांगें नहीं मानी तो पराली प्रबंधन कार्य का करेंगे बहिष्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

पराली प्रबंधन का कार्य करने वाली बेलर एसोसिएशन की प्रदेश स्तरीय बैठक हुई। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से बेलर एसोसिएशन के सदस्य एवं पदाधिकारी अपनी समस्याओं पर विचार विमर्श करने के लिए पहुंचे।

उनके साथ भाकियू प्रिंस वडैच ग्रुप के प्रधान सुखविंद्र मुकीमपुरा भी समर्थन करने के लिए पहुंचे। बैठक के बाद एसोसिएशन की ओर से महासचिव जय नारायण और सचिव सतीश राणा ने बताया कि लंबे समय से इस काम में जुड़े लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिन्हें लेकर सरकार से मांग भी की गई है। उन्होंने बताया कि बेलर मशीन पर दी जाने वाली अनुदान राशि समय पर नहीं मिलती। मशीन विक्रेता कंपनी पूरे पैसे एडवांस ले लेती है और सरकार से सब्सिडी का पैसा पाने के लिए बेलर संचालक को चक्कर काटने पड़ते हैं। इसके बाद छोटी-छोटी किस्तों में पैसा मिलता है। इनकी मांग है कि आसान शर्तों में एक बार में ही अनुदान राशि जारी की जाए। इसके अलावा पिछले पांच साल में पराली की बेल के रेट ज्यादा थे। जबकि डीजल, धागा, लेबर के दाम बहुत कम थे। आज पराली की बेल गांठ के रेट कम कर दिए गए हैं। जबकि डीजल, धागा, लेबर, ट्रांसपोर्ट व अन्य खर्चों के रेट ज्यादा हो गए हैं। जिस वजह से बेलर संचालक बेलर चलाने में असमर्थ हैं। बेलर व रैक बनाने वाली सभी कंपनियों के प्रोडक्ट की बाजार में कीमत लगभग साढ़े 18 लाख रुपए है। पिछले 5 वर्षों के दौरान इनके रेट में बेतहाशा वृद्धि हुई है।

सरकारी आंकड़ों में अनुदान राशि कीमत 15 लाख मानकर 50 प्रतिशत ही चल रही है। जो बहुत कम है। अनुदान राशि साढ़े 18 लाख रुपए के हिसाब से होनी चाहिए। जो नए रेट के अनुसार लगभग 9 लाख 25 हजार बनती है।उनकी मांग है कि जिस तरह सरकार पराली में आग ना लगाने वाले किसानों को 1200 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देती है। उसी प्रकार बेलर संचालक को भी 500 रुपए प्रति एकड़ दिया जाए। क्योंकि पराली का निपटान बेलर संचालक ही करते हैं। यूनियन सदस्यों ने कहा कि पराली की गांठ या बेल का रेट बहुत ही कम मिल रहा है। उद्योग व पावरप्लांटों में पराली की बेल का रेट 160 से लेकर 170 रुपए तक रहता है। जिसमें लागत मूल्य भी मुश्किल से पूरा हो पाता है। पराली की बेल का रेट 190 रुपए प्रति क्विंटल होना जरूरी है। यूनियन पदाधिकारी ने बताया की समस्याओं को लेकर उनकी तरफ से उपायुक्त कुरुक्षेत्र, निदेशक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग पंचकूला सभी को ज्ञापन दिया जा चुका है। लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। अब सीजन में 15 दिन शेष हैं यदि उनकी मांगों को नहीं माना गया तो बेलर संचालक काम नहीं कर पाएंगे। जिसके चलते किसानों को मजबूरन पराली में आग लगानी पड़ेगी।

- काम बंद हुआ तो पराली में लगने वाली आग की जिम्मेदार होगी सरकार, भाकियू ने दिया समर्थन

पिहोवा। बैठक में मौजूद बेलर एसोसिएशन के पदाधिकारी।

### ये रहे मौजूद

इस मौके पर प्रधान जसवंत सिंह, प्रीत पाल शर्मा, भाकियू प्रधान सुखविंद्र मुकीमपुरा, जय नारायण जनरल सेक्रेटरी, सचिव सतीश राणा ,राजकुमार, शीशपाल, गुरनाम, सतपाल मास्टर, सुखदीप सिंह, अमनदीप विर्क जुंडला, रवि, राम तिलक, दलवीर, हरि सिंह पूर्व सरपंच भेरियां, हरपाल सिंह चीमा, सरदार बक्शी सिंह, अमित सैनी, निर्मल सैनी, गोपाल, रेशम ,जसपाल धीमान, विजय, कर्मबीर अंबाला, कुलदीप सारसा, अमित ढांडा, बलराज मलिक, ईश्वर कश्यप, बलराज सारसा, बृजमोहन सैनी, रमन मक्कड़ अजरावर, संदीप सैनी सरपंच सूरजगढ़ आदि बेलर संचालक मौजूद रहे

# लिव इन में रह रही महिला ने दो बेटियों को घर से निकाला

- दुकानदार और समाजसेवी बच्चियों को रोते देखकर पुलिस थाने में लेकर पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

सिटी थाना क्षेत्र के सुभाष बाजार स्थित रोशन महल में लिविंग में रह रही महिला ने अपनी दो बच्चियों से बुरी तरह मारपीट कर घर से निकाल दिया। वहीं बच्चियों को रात के समय बाजार में रोता देख पड़ोसी, समाजसेवियों ने बच्चियों को लेकर सिटी थाने में पहुंचे। वहीं मामले में पुलिस ने सिविल अस्पताल से बच्चियों का इलाज करवाया।

दुकानदार अमन उप्पल ने बताया कि रोशन महल में हमारी दुकान के साथ मकान में एक महिला जोगिंद्र नामक लडक़े के साथ किराए पर रहती है। महिला की शादी हरि सिंह चौक के युवक के साथ हुई थी। जिसे छोडक़र महिला यहां सौदापुर के लडक़े के साथ लिव इन में रह रही थी। महिला ने अपने लडक़े को पति के पास छोड़ा हुआ है जबकि दो बच्चियों को अपने साथ रोशन महल में ही रखा हुआ था।

### बेटियों से मारपीट भी की

दुकानदारों का कहना है कि महिला समुदाय विशेष से है, जबकि लडक़ा कुम्हार जाति से है। महिला बच्चियों से लोगों के घरों में बर्तन साफ करने का काम करवाती थी और आए दिन बच्चियों के साथ बुरी तरह मारपीट करती थी। वीरवार रात को महिला ने लडक़े के साथ मिलकर दोनों बच्चियों से बुरी तरह मारपीट करने के बाद घर से निकाल दिया।

वहीं रात को पड़ोसी ने बच्चियों को देखा और पूछताछ की। जिस पर बच्चियों ने अपनी सारी सच्चाई पड़ोसी व्यक्ति को बताई। दुकानदार बच्चियों को लेकर सिटी थाने पहुंचे। उसके बाद थाना प्रभारी ने कार्रवाई करते हुए बच्चियों को अपने संरक्षण में लिया।

## खबर संक्षेप

### योग और अध्यात्म पर विचार किए सांझा

**कुरुक्षेत्र।** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में धर्मगुरु गुरु पशुपति जी ने योग और अध्यात्म पर अपने विचार साझा किए। वे त्रिलोक अखाड़ा के परंपरा अधिकारी तथा अमर योगी महावतार बाबाजी के शिष्य हैं। साथ ही, वे चामुंडी राजगुरुकुलम् के सह-संस्थापक भी हैं, जो भारतीय ज्ञान और जीवन मूल्यों के प्रसार हेतु कार्यरत है। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई।

### 139 लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं दी गई

**कुरुक्षेत्र।** नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट ने आज हल्का थानेसर की सरस्वती कालोनी और जिन्दल हाउस में 139 लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया। उपरोक्त जानकारी देते हुए सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर चलाई जा रही मोबाइल मेडिकल युनिट में, एमबीबीएस डॉक्टर द्वारा परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई, साथ ही रक्त और युरिन के टेस्ट भी किए।

### सीबीआई इंस्पेक्टर पहुंचे डीएवी स्कूल पिहोवा

**पिहोवा।** सीबीआई इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार आज डीएवी स्कूल पिहोवा पहुंचे। जहां उन्होंने छात्रों को भविष्य निर्माण और करियर के महत्व पर मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान इंस्पेक्टर देवेंद्र ने कहा कि सही दिशा में मेहनत और अनुशासन से ही अच्छे भविष्य की नींव रखी जा नशे सकती है। उन्होंने छात्रों को शिक्षादान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को भी अपनाने के लिए प्रेरित किया। इंस्पेक्टर ने बताया कि वर्तमान दौर में केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि सही सोच और सकारात्मक दृष्टिकोण भी सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने लक्ष्यों को स्पष्ट रखें और किस्मत पर भरोसा करने के बजाय खुद मेहनत करें। कार्यक्रम में मौजूद छात्रों ने रुचि के साथ इंस्पेक्टर की बातों को सुना और कई सवाल पूछे।

### अदिति ने ने एथलीट में प्रथम स्थान किया प्राप्त

**कुरुक्षेत्र।** द्रोणाचार्य स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय एथलीट प्रतियोगिता में एस डी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की सातवीं कक्षा की छात्रा अदिति शर्मा ने भाग लिया। अदिति शर्मा ने जिला स्तरीय एथलीट प्रतियोगिता में 600 मीटर की रेस में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अदिति शर्मा का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन का हो गया है। विद्यालय प्रबंधन विकास शर्मा, मंजू शर्मा, प्रधानाचार्य रिंपी बटला द्वारा अदिति शर्मा का उत्साहवर्धन हेतु भेट ट्रॉफी से सम्मानित किया गया तथा राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में विजय प्राप्त करने का शुभ आशीष दिया।

## शहर मे हजारों श्याम प्रेमियों निशान यात्रा मे भाग लिया

# प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिन श्री खाटू श्याम भक्ति में सराबोर हुए भक्त

पूजन के पश्चात भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ जिसमें महिलाओं और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

श्री खाटू श्याम लखदातार परिवार चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से तरावड़ी के रेलवे रोड स्थित नत्था सिंह नगर में नवनिर्मित खाटू श्याम मंदिर में चल रहे प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य मे विशाल निशान यात्रा निकाली गई। इस निशान यात्रा के साथ साथ मंदिर मे स्थापित होने वाले भगवान के स्वरूपों की शोभा यात्रा निकाली गई। लगभग 15 सौ श्याम प्रेमियों ने बाबा निशान लेकर पूरा शहर श्याममय बन गया। श्याम बाबा के जयकारों पूरा वातावरण गूंज रहा था। यह यात्रा नगर खेड़ा से शुरू मेन बाजार, नगर पालिका रोड़, रेलवे रोड़ से होकर नत्था सिंह नगर के खाटू श्याम मंदिर मे संपन्न हुई। पूरा रास्ते मे जगह जगह पर जलपान देकर सेवा की। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरा दिन भक्तिभाव और आध्यात्मिक रसधारा से सराबोर रहा। शनिवार को पूजा अर्चना में शहर के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। मंदिर प्रांगण में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। हर कोई श्याम नाम का जाप करता हुआ भक्ति के सागर में डूबा नजर आया। विशेष पूजा-अर्चना के दौरान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण कर पूरे वातावरण को पावन और ऊर्जा से भर दिया। मंत्रों की गूंज, शंख ध्वनि और घंटे-घडिय़ाल की मधुर ध्वनियों ने ऐसा आध्यात्मिक माहौल बना दिया मानो स्वयं श्याम बाबा भक्तों के बीच विराजमान हों। पूजन के पश्चात भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ जिसमें महिलाओं और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया। श्याम प्रेम में लीन भक्त नाचते-गाते हुए प्रभु नाम का स्मरण करते रहे। मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद और भंडारे की भी व्यवस्था की गई, जिसका सैकड़ों भक्तों ने लाभ उठाया। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि महोत्सव के आगामी दिनों में भी विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसमें भव्य भजन संध्या और अंतिम दिन मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के बाद विशाल भंडारा आयोजित होगा। उन्होंने नगरवासियों से आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा श्याम के दर से आशीर्वाद प्राप्त करें।

तरावड़ी। तरावड़ी शहर के खाटू श्याम मंदिर समिति द्वारा आयोजित निशान यात्रा मे भाग लेते श्याम प्रेमी। फोटो : हरिभूमि

### समाज को जोड़ते है प्राण प्रतिष्ठा जैसे आयोजन

इस अवसर पर श्री खाटू श्याम लखदातार परिवार चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख संयोजक प्रमोद बंसल, विनीत बंसल,चुनीत बंसल, अशोक बंसल, नितेश मंगल, अमन गर्ग व विनय गर्ग ने श्रद्धालुओं के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं बल्कि समाज को एकता, प्रेम और सद्भाव के संदेश से जोड़ने का एक माध्यम भी है।

तरावड़ी। मंदिर मे स्थापित होने वाले भगवान के स्वरूपों की झलक।

### श्री खाटू श्याम कीर्तन मंडल का कथा महोत्सव 8 से

**करनाल।** श्री खाटू श्याम कीर्तन मंडल की ओर से करनाल में पहली बार विश्वविख्यात कथावाचक श्री पुंडरीक गोस्वामी जी महाराज की श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 8 से 14 सितंबर तक गोल्डन मोमेंटस बैंक्वेट हॉल, सेक्टर 12 में होगा। कथा प्रतिदिन सायं 4 से 7 बजे तक होगी, जबकि 14 सितंबर को कथा प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक चलेगी। इसी दिन शाम को श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक चित्र-विचित्र जी महाराज श्याम बाबा की महिमा का बखान करेंगे। आयोजन समिति के सदस्य अंकुर गुप्ता, आशीष गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, कर्ण बंसल, गगन जिंदल, रजत गर्ग, विपिन गुप्ता व पवन सिंगला तैयारियों में जुटे हैं।

- सीएम नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को विशेष रूप से आमंत्रित किया

# दो प्राध्यापकों को मिलेगा ग्लोबल रोल मॉडल अवार्ड

- इंटरनेशनल टीचर डे पर 5 अक्टूबर को श्रीनगर में होगा भव्य सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

शिक्षा, समाजसेवा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले करनाल जिले के दो प्राध्यापक — डॉ. ऋषि पाराशर (रसायन विज्ञान प्रवक्ता, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इन्द्री) और जितेन्द्र शर्मा (गणित प्रवक्ता, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अरड़ाना) — को राह ग्रुप फाउंडेशन की ओर से ग्लोबल रोल मॉडल अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें इंटरनेशनल टीचर डे पर 5 अक्टूबर को श्रीनगर में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा।

डॉ. ऋषि पाराशर ने शिक्षा और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। वे आठ विषयों में स्नातकोत्तर, दो विषयों में एनईटी उत्तीर्ण कर चुके हैं और कानून से शोध कार्य भी किया है। वे विज्ञान क्लब, इको क्लब, रेडक्रॉस, एनएसएस व स्काउट जैसी गतिविधियों से जुड़े हैं और कई किताबें भी लिख चुके हैं।

वहीं गणित प्रवक्ता जितेन्द्र शर्मा पिछले 15 वर्षों से छात्रों को गणित को आसान और प्रेरणादायी ढंग से पढ़ा रहे हैं। उन्होंने सैकड़ों छात्रों को स्काउटिंग व शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व, सेवा और अनुशासन का पाठ पढ़ाया।

### समारोह में यह रहेगा फोकस

इस बार समारोह का फोकस किसी मुख्य अतिथि पर नहीं, बल्कि अवार्डी प्रतिभागियों पर होगा। प्रत्येक अवार्डी मंच से अपनी जीवन यात्रा साझा करेगा। **चेयरमैन नरेश सेलपाड़,** राह ग्रुप फाउंडेशन

### छात्रों ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

**कुरुक्षेत्र।** गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र में विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति-कला, तर्कशक्ति तथा आत्मविश्वास को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से एक भव्य अन्तर्सदन तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में संपन्न हुई, जिसमें विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों ने अपनी ओजस्वी वाणी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता का स्वरूप अत्यंत रोचक रहा। प्रत्येक प्रतिभागी ने पर्ची में लिखे विषय का चयन कर तत्क्षण उस पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विषय-सूची में अनुशासन से सफलता, मोबाइल फोन वरदान या अभिशाप, नैतिक मूल्य महान जीवन की नींव, शिक्षा एवं खेल में संतुलन, पर्यावरण संरक्षण में छात्रों की भूमिका इत्यादि जीवनोपयोगी एवं प्रेरणादायी शीर्षक सम्मिलित थे। छात्रों ने अपने प्रभावी अभिव्यक्तित्व, स्पष्ट चिंतन और आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को गहन रूप से प्रभावित किया।

# पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन का आंदोलन तेज, 6 व 13 सितंबर को घेराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन ने कर्मचारियों की मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। यूनियन ने 6 सितंबर को भिवानी में सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री के कैंप कार्यालय और 13 सितंबर को हिसार में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री के कार्यालय का घेराव करने का एलान किया है।

तैयारियों को लेकर यूनियन की बैठक कर्ण गेट स्थित कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान रंगलाल संधू ने और संचालन जिला सचिव रोहताश खोखर ने किया। जिला प्रधान रंगलाल संधू ने कहा कि सरकार रेशनलाइजेशन के नाम पर पदों की कटौती बंद करे तथा सभी प्रकार के अनुबंध कर्मचारियों को नियमित किया जाए। बैठक में पवन शर्मा, महावीर पोसवाल, रमेश कुमार, राजेश कुमार, संजीव राणा, पूर्ण चंद, राजपाल बसताना, राम प्रसाद शर्मा, संदीप शर्म आदि रहे।

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स की बैठक में मौजूद पदाधिकारी।

### वेतन विसंगतियां दूर करने की उठाई मांग

राज्य सह सचिव अंकित राणा ने कहा कि सेवा नियमों में संगठन के सुझाव अनुसार संशोधन हो और वेतन विसंगतियां दूर की जाएं। यूनियन ने ग्रुप डी कर्मचारियों को धुलाई वर्दी भत्ता बहाल करने और 2020 से 2023 तक की बकाया एलटीसी जारी करने की मांग की।

# नपा कर्मचारियों ने स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

- पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ के तहत पौधा रोपण भी किया
- लोगों को साफ-सफाई का महत्व बताते हुए फैलने वाली बीमारियों के बारे भी जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार नगर पालिका घरौंडा ने एक विशेष स्वच्छता अभियान की शुरूआत की है जो पूरे शहर में 7 नवम्बर तक चलाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य घरौंडा को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है।

इसी कड़ी में शनिवार को नगर पालिका जेई अंकित छोक्कर के नेतृत्व में शहर में सफाई अभियान चलाया गया उन्होंने बताया कि यह स्वच्छता अभियान 11 सप्ताह चलना है जिसमें अलग अलग अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगी हुई है। नगर पालिका की टीम द्वारा रोजाना विभिन्न बार्डों, गलियों और कालोनियों में साफ सफाई की मोनिटरिंग करते हुए नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जा रहा। जिसमें लाइब्रेरियन संदीप लोहट, मोटिवेटर रेनू भूषण, सफाई निरीक्षक राहुल बिगनिया, स्कूल निदेशक अंकित जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि यह अभियान सिर्फ पौधा रोपण व सफाई गतिविधि नहीं, बल्कि लोगों को स्वच्छता व पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाने की एक पहल है।

घरौंडा। पौधरोपण करते नगरपालिका कर्मचारी।

स्वच्छता के प्रति छात्राओं को जागरूक करते नपकर्मचारी।

### न्यू श्रवण वाटिका पब्लिक स्कूल में दी जानकारी

शहर के न्यू श्रवण वाटिका पब्लिक स्कूल में बच्चों व शिक्षकों को स्वच्छता व पौधा रोपण के लिए जागरूक करते हुए लाइब्रेरियन सन्दीप लोहट ने बताया कि स्वच्छता जनमानस के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जिसको 2 अक्टूबर 2014 को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छता अभियान की शुरुआत की जो निरन्तर देश में चल रहा है। स्वच्छता हमारे लिए बहुत जरुरी है यदि हमारे आसपास स्वच्छता होगी तो हम स्वस्थ रहेंगे।

## विधानसभाध्यक्ष दिखाएंगे रैली को झंडी

# राष्ट्रीय खेल दिवस पर साइकिल रैली का आयोजन आज

- रैली का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में खेलों के प्रति रूचि को बढ़ाना
- विधायक राजकुमार कश्यप, जगमोहन आनंद, भगावनदास कबीरपंथी रहेंगे विशिष्ट अतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 31 अगस्त को प्रातः 7 बजे करनाल में भव्य साइकिल रैली निकाली जाएगी। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण इस अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे और एन.डी.आर.आई. चौक से हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना करेंगे।

कार्यक्रम में इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप, करनाल विधायक जगमोहन आनंद, नीलोखेड़ी विधायक भगवानदास कबीरपंथी और असंध विधायक योगेन्द्र राणा विशिष्ट अतिथि होंगे। खेल विभाग का कहना है कि इस रैली से युवाओं में खेलों और फिटनेस के प्रति रुचि बढ़ेगी।

### यह रहेगा रैली का शैड्यूल

रैली कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज से होते हुए विर्क हॉस्पिटल मार्ग से वापस एन.डी.आर.आई. चौक पर पहुंचेगी।

**राकेश पांडे,** उपनिदेशक खेल

# केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल और योग गतिविधियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

कुमारी विद्यावती आनन्द डीएवी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत हुई। शनिवार को स्पोर्ट्स क्लब और योग क्लब द्वारा खेल प्रतियोगिताओं एवं योगासन गतिविधियों का आयोजन किया गया।

प्राचार्या मीनू शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 200 छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि, फिट इंडिया प्रतिज्ञा, खेल प्रतियोगिताएं, योगासन प्रतियोगिता और फिट इंडिया टॉक जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। विशु (बीए तृतीय वर्ष) ने फिट इंडिया टॉक प्रस्तुत कर खेल एवं योग के महत्व को बताया। प्राचार्या मीनू शर्मा ने छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिकाएं, संयोजिका एवं सदस्याएं मौजूद रहीं।

करनाल। केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय में मौजूद छात्राएं व शिक्षिकाएं।

### योगासन प्रतियोगिता के परिणाम

योगासन प्रतियोगिता में अंजलि (बीसीए प्रथम वर्ष) ने प्रथम, प्रीति (बीए द्वितीय वर्ष) ने द्वितीय और खुशी वेद (बीए प्रथम वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि आंचल (बीए द्वितीय वर्ष) को सांत्वना पुरस्कार मिला।

## छात्रों ने किया तार्किक क्षमता का प्रदर्शन

# एसएमएस स्कूल में विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का

- प्राचार्या डॉ विभा कौशिक ने छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया
- प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों कर प्रतिभा को परखना रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

एस एम एस मैमोरियल पब्लिक स्कूल तरावड़ी में विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा आठवी से बारहवीं तक के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और अपने ज्ञान तार्किक क्षमता तथा त्वरित सोचने की क्षमता का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि, जिज्ञासा तथा ज्ञानवर्धन करना था।प्रतियोगिता को कई चरणों में बाँटा गया था – वस्तुनिष्ठ प्रश्न, तात्कालिक प्रश्न, दृश्य आधारित प्रश्न तथा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं से जुड़े विशेष प्रश्न। प्रत्येक टीम ने अपनी प्रतिभा, तीव्र सोच और गहरी जानकारी का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।छात्रों ने न केवल भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दिया, बल्कि नवीनतम वैज्ञानिक आविष्कारों और प्रयोगों से जुड़े प्रश्नों का भी शानदार उत्तर प्रस्तुत किया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ विभा कौशिक ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र केवल पुस्तकों तक ही सीमित न रहें, बल्कि विज्ञान को व्यवहारिक जीवन से भी जुड़े।

निगदू। शपथ ग्रहण करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

### राजकीय महाविद्यालय निगदू में शपथ ग्रहण कार्यक्रम

निगदू। राजकीय महाविद्यालय निगदू में शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन उच्चतर शिक्षा विभाग पंचकूला, हरियाणा सरकार तथा भारत सरकार के सौजन्य से किया गया, जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का सीधा प्रसारण विद्यार्थियों के लिए करवाया गया। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को नमन करते हुए प्राचार्य प्रो. रमेश सिंह अहलावत ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, स्वास्थ्य और सकारात्मक सोच का आधार हैं। स्वस्थ शरीर और अनुशासित दिनचर्या ही सुदृढ़ जीवन की नींव रखते हैं। इस मौके पर डॉ. आशु गर्ग ने 'स्वस्थ भारत अभियान' के अंतर्गत विद्यार्थियों व स्टाफ को शपथ दिलाई और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सहयोग हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को महाविद्यालय एवं सरकार द्वारा

**धार्मिक आयोजन**

## श्याम बालाजी समिति की धार्मिक बस यात्रा का दर्जनों श्रद्धालुओं का उठाया लाभ

# अग्रोहा धाम, सालासर बालाजी और खाटू श्याम धाम के किए दर्शन

- श्री श्याम बालाजी दर्शन सेवा समिति की धार्मिक बस सेवा
- यात्रा का शुभारंभ करनाल से हुआ जिसमे दर्जनों यात्री मौजूद रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

श्री श्याम बालाजी दर्शन सेवा समिति की ओर से हर माह की भांति इस बार भी भव्य धार्मिक बस यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ करनाल से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

यह यात्रा अग्रोहा धाम, सालासर बालाजी, लक्ष्मी माता मंदिर और श्री खाटू श्याम धाम के लिए रवाना हुई। समिति अध्यक्ष प्रमोद मंगला और मुख्य सेवक विकास गर्ग ने पूजा-अर्चना कर नारियल फोड़कर यात्रा का शुभारंभ किया। प्रमोद मंगला ने बताया कि धार्मिक यात्राएं मन और विचारों को शुद्ध करती हैं और समाज में भाईचारे की भावना को बढ़ावा देती हैं। मुख्य सेवक विकास गर्ग ने कहा कि हर माह यात्रा का आयोजन कर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रहने-खाने की समुचित व्यवस्था की जाती है। इस मौके पर संजीव मित्तल, योगेन्द्र शर्मा, अनिल मित्तल, जतिन, विपिन गुप्ता, ममता रानी और अशा रानी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

करनाल। श्री श्याम बालाजी दर्शन के लिए बस से जाते श्रद्धालु।

## महा शिव पुराण सुनकर भजनों पर झूम उठें भक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

*आचार्य मणि प्रसाद गौतम ने कहा कि इस संसार में बिगाड़ने के लिए तो लंबी लाइन लगी है, सुधारने के लिए कोई नहीं होता।*

*इसी प्रकार से रोते हुए को हंसाने वाला व बिगड़ते को सुधारने वाला तो कोई ही बिरला होता है। उन्होंने श्रदालुओं को आह्वान किया कि वे अच्छे कर्म करे। जिसका फल ऐसे समय पर मिल सकता है जो जीवन में खुशियां ही खुशियां लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि श्री शिव महापुराण कथा सुनने से मनुष्य का जीवन सफल हो जाता है और भगवान की असीम कृपा बरसती है।आचार्य मणि प्रसाद गौतम जी महाराज गणपति सेवा समिति के और से जीतपुरी मंदिर में आयोजित द्वितीय श्री शिव महापुराण कथा में प्रवचन कर रहे थे। पहले दिन आयोजित कथा में समिति के सदस्यों ने भगवान श्री शिव भोले को नमन किया और कथा का शुभारम्भ किया। कथा में भारी संख्या में पहुंचे श्रदालुओं ने श्री शिव महापुराण कथा सुनकर पूरा आनंद लिया और श्रद्धालु शिव भोले बाबा के भजनों पर झूम उठें।*

## खबर संक्षेप

### प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

**पानीपत ।** जिला स्तरीय विजेता योगासन खिलाड़ियों की टीम अब राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने जा रही है। लडकों के लिये यह प्रतियोगिता 30 व 31 अगस्त को जिला जींद में होगी। वहीं लड़कियों की प्रतियोगिता 2 व 3 सितम्बर को जिला रेवाड़ी में होगी। पानीपत जिले से 14 बालक विभिन्न आयु वर्गों में तथा 24 बालिकाएं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी।

### रविंद्र पांचाल बने शक्ति केंद्र प्रमुख

**पानीपत ।** भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से स्वीकृति के बाद भाजपा बबैल मंडल अध्यक्ष जसविंद्र चहल द्वारा आज शक्ति केंद्र प्रमुखों की सूची जारी की गई है।

जिसमें भाजपा मन की बात के संयोजक रविंद्र पांचाल को बूथ न.53,54,55 व 56 का शक्ति केंद्र प्रमुख बनाया गया है। जहां अपनी नियुक्ति पर रविंद्र पांचाल ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व व प्रदेश के शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा का आभार प्रकट करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताया है वह उस पर खरा उतरने में कोई कसर नहीं छोड़ेगें।

### सोमवार को बंद नहीं होंगे बाजार

**पानीपत।** जिला प्रशासन द्वारा आगामी 1 सितंबर से सभी दुकानें बंद करने के आदेश कें बाद प्रशासन के साथ आज हुई मीटिंग में निर्णय लिया गया कि इस बार सोमवार को दुकानें बंद नहीं होगी बल्कि अगले सोमवार से सभी दुकानें बंद रखी जायेंगी। इंसार बाजार देवी मंदिर रोड एसोसिएशन द्वारा इस निर्णय से अवगत कराते हुए एसोसिएशन के प्रधान सुशील भराड़ा व महामंत्री राजेश आहूजा ने बताया कि आगामी सोमवार 1 सितंबर को पानीपत के सभी बाजार खुले रहेंगे। सोमवार को बाजार खुलने से संबंधित विषय पर पानीपत विधायक प्रमोद विज से सोमवार का समय लिया गया है।

### ट्रायल से होगा ट्रैफिक समस्या का समाधान

# शहर में सोमवार से लागू होगा ऑडी एक फार्मूला

*शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने नया कदम उठाया*

ऑटो चालकों और ई रिक्शा चालकों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की और कुछ आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

**पानीपत।** यातायात व्यवस्था को लेकर बैठक लेते डीएसपी सुरेश सैनी व निगम अधिकारी व विवेक चौधरी बैठक में उपस्थित आटो व ई रिक्शा चालक। **फोटो :हरिभूमि**

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उपायुक्त डॉ. विरेंद्र कुमार दहिया और पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने नया कदम उठाया है। जिले में ऑडी.1 फार्मूला सोमवार 1 सितंबर से लागू किया जा रहा है। फिलहाल इसका पहला ट्रायल कुछ वाहनों पर सप्ताह भर किया जाएगा। जिसके बाद परिणामों का आकलन कर उपायुक्त डॉ.विरेंद्र कुमार दहिया और पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह की सहमति पर आगे निर्णय लिया जाएगा। इसी संबंध में आज जिला सचिवालय सभागार में निगम के अतिरिक्त आयुक्त विवेक चौधरी और ट्रैफिक पुलिस उप अधीक्षक सुरेश सैनी ने शहर के ऑटो चालकों और ई रिक्शा चालकों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की और कुछ आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में सुझाव भी मांगे। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि अगर ट्रायल सफल रहा तो इसे बड़े पैमाने पर पूरे जिले में लागू किया जाएगा। प्रशासन ने वाहन चालकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन सभी की जिम्मेदारी है और इस फार्मूले से शहर को बड़ी राहत मिलेगी।

#### फार्मूले का मुख्य उद्देश्य सड़क पर लगने वाले जाम को कम करना

*विवेक चौधरी ने बताया कि इस फार्मूले का मुख्य उद्देश्य सड़क पर लगने वाले जाम को कम करना, ईंधन की बचत करना और सडक हादसों को रोकना है। ट्रैफिक पुलिस उप अधीक्षक सुरेश सैनी ने बताया कि शहर में रात दिन दौड़ते 4032 ई रिक्शा और 3414 ऑटो रिक्शा के रजिस्ट्रेशन के अंतिम अंक को ओड वन में शामिल करके उसे लागू किया जा रहा है। निगम अतिरिक्त आयुक्त विवेक चौधरी ने बताया कि अंतिम फैसला अगली मीटिंग के बाद होगा।*

### खेलों में खिलाडियों की उपलब्धियां उभरते भारत की नई तस्वीर

# वालीबॉल में मेजर ध्यानचंद की टीम रही प्रथम स्थान पर

पानीपत। विद्यार्थियों को शपथ दिलाते प्राचार्य डा.अनुपम अरोड़ा व अन्य ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

**एसडी कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस के दूसरे दिन मैचों का आयोजन**

एसडी पीजी कॉलेज में उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस पर तीन दिन चलने वाले कार्यक्रमों के दूसरे दिन कब्बडी, योग, शतरंज और वालीबॉल के मैचों का आयोजन किया गया। जिसमें पुरुष और महिला टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ.अनुपम अरोड़ा ने वालीबॉल में पहली सर्विस देकर किया। उनके साथ डॉ.सुशीला बेनीवाल, प्रो.रेखा भी मैचों में उपस्थित रहे। पुरुष वालीबॉल में मेजर ध्यानचंद की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। महिला कब्बडी में रानी लक्ष्मीबाई टीम तथा पुरुष कब्बडी में चन्द्र शेखर आजाद टीम ने पहला स्थान पाया। डॉ.अनुपम अरोड़ा ने कहा कि खेल सभी के जीवन में विशेष रुप से विद्यार्थियों के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल गतिविधियों में शामिल होना हर व्यक्ति के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है।

**ये मौजूद रहे**

डॉ.सुशीला बेनीवाल ने कहा कि कब्बडी एक भारतीय मैदानी खेल है जिसमें मैदान के दो पालों के अतिरिक्त किसी अन्य साधन की जरूरत नहीं होती। इस अवसर पर डॉ.एसके वर्मा, डॉ.मुकेश पुनिया, प्रो.सुशीला बेनीवाल, प्रो.रेखा, प्रो आनंद, ग्राउंड्समैन प्रताप उपस्थित रहे।

*आर्य कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया*

# राष्ट्रीय खेल दिवस पर युवाओं ने सीखे फिट रहने के गुरूमंत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

**पानीपत।** मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते वीरेंद्र सिंगला व प्राचार्य डा.जगदीश गुप्ता। **फोटो :हरिभूमि**

आर्य कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में दूसरे दिन विद्यार्थियों ने शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के मंत्रों को सीखा। कॉलेज प्रबंधक समिति के उपप्रधान वीरेंद्र शिंगला व कॉलेज प्राचार्य डा.जगदीश गुप्ता ने मेजर ध्यान चंद को पुष्पांजली अर्पित करते हुए विद्यार्थियों को ध्यान चंद के खेल जीवन के विषय से अवगत करवाया। वीरेंद्र शिंगला ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को बताया कि उन्हें सामान्य शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक शिक्षा का ज्ञान भी अर्जित करना चाहिए। डॉ.जगदीश गुप्ता ने फिटनेस टॉक विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि व्यक्ति का सर्वांगिण विकास तभी संभव है।

**ध्यान चंद के खेल जीवन के विषय से अवगत करवाया**

**योग को अपने जीवन में सम्मलित करें**

*डॉ.गुप्ता ने कहा कि युवाओं को एक प्रर्याप्त दिनचर्या व अपने खान-पान के साथ-साथ योग को भी अपने जीवन में सम्मलित करना होगा। कार्यक्रम के संयोजक रहे शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.राजेश कुमार ने बताया कि मेजर ध्यान के परिवार की ओलंपिक खेलों में सबसे ज्यादा सक्रियता रही है। मंच संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक राजा तोमर ने किया। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग से राजेंद्र सिंह, सुनील पहल, अनुप गुलिया व प्राध्यापिका रजनी व खुशबू आदि मौजूद रहे।*

### रैडक्रास सोसाईटी युवाओं को कर रही जागरूक : गौरव राम करण

**पानीपत।** उपायुक्त एवं प्रधान जिला रैडक्रास सोसाईटी डा.विरेन्द्र कुमार दहिया के मार्गदर्शन व अंकुश मिंगलानी उपाध्यक्ष तथा नवनियुक्त महासचिव महेश जोशी हरियाणा रैडक्रास के निर्देशानुसार तथा गौरव राम करण की अगुवाई में रैडक्रास भवन में प्राथमिक सहायता का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 150 प्रशिक्षुओं को नशे से दूर रहने व रक्तदान हेतु जागरूक करने बारे शपथ दिलवाई गई। प्रशिक्षुओं को हरमेश चन्द जिला प्रशिक्षण अधिकारी रैडक्रास द्वारा युवाओं प्रेरित करते हुये नशीली वस्तुओं और पदार्थो के सेवन से होने वाले नुकसानों के बारे में अवगत कराया। इस अवसर पर प्रवक्ता कला भारद्वाज, सोनिया शर्मा, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

# खेलों से मिल रहा मान-सम्मान

**पानीपत।** सम्मानित होने वाले बच्चों के साथ अतिथिगण व आयोजक।

- 12वीं कक्षा की वंशिका ने मेजर ध्यानचंद पर विचार रखे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

आर्य बाल भारती विद्यालय में खेल सम्राट मेजर ध्यानचंद की जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया गया। मुख्य अतिथि विद्यालय के कोषाध्यक्ष मेहताब आर्य रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.अशोक आर्य ने की। उपप्राचार्य जगदीश चहल मुख्य वक्ता रहे। इस अवसर पर विद्यालय की आर्य वीरांगनाओं ने योगासन, तलवार, लाठी आदि का प्रदर्शन किया और 12वीं कक्षा की वंशिका ने भी मेजर ध्यानचंद पर विचार रखे।

साथ ही ब्लॉक स्तर, जिला स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली खिलाडिय़ों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आशा अरोड़ा, सोनिका दहिया,दीप्ति गुलिया, मनीषा मलिक, प्रवीन आर्य, सुनील कुमार आदि उपस्थित रहे। महताब आर्य ने कहा कि खेलों से जहाँ तन मन स्वस्थ रहता है। वहीं खेलों के माध्यम से पुरस्कार के रूप में पर्याप्त धनराशि और सम्मानजनक सरकारी नौकरी दी जाती है।

### हिमगिरि स्कूल में दृढ़ इच्छाशक्ति विषय पर सेमिनार

**पानीपत।** हिमगिरी स्कूल में विद्यार्थियों को संबोधित करते वक्ता ।

**पानीपत।** हिमगिरि स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से दृढ़ इच्छाशक्ति विषय पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। परामर्शदाता प्रो.संदीप ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति सबसे बड़ा हथियार है। चुनौतियों से घबराने के बजाय दृढ़ निश्चय और सकारात्मक सोच के साथ उनका सामना करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से यह संदेश दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति रखने वाले व्यक्ति असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्यों को भी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। प्रधानाचार्य प्रमोद राठी ने उनका धन्यवाद किया तथा विद्यार्थियों को इससे प्रेरणा लेकर अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

**कार्यशाला**

### इन्कम टैक्स ऑडिट केसों की समय सीमा बढ़ाई जाए

**पानीपत।** हरियाणा टैक्स बार एसोसिएशन अंबाला चैप्टर की राज्य स्तरीय कर मंथन कार्यशाला का जिला टैक्स बार एसोसिएशन अंबाला द्वारा आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणा के 18 जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला में टैक्सेशन विभाग की एडिशनल कमिश्नर मधुबाला एवं अंबाला रेंज के संयुक्त आयुक्त अनिल कादियान को हरियाणा भर से आए अधिवक्ताओं ने टैक्सेशन विभाग संबंधित समस्याओं को रखा। पानीपत जिला टैक्स बार एसोसिएशन के प्रधान सत्येंद्र रोजा एडवोकेट, वरिष्ठ उप प्रधान दिलावर सिंह खर्ब, उप प्रधान एवं प्रदेश के संयुक्त सचिव शिवकुमार मित्तल एडवोकेट ने पानीपत जिले का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने ओटीएस 2 की तिथि को बढ़ाने, वहीं इन्कम टैक्स ऑडिट केसों की समय सीमा बढ़ाने की मांग सरकार से की है। इसके अलावा भी अधिवक्ताओं ने अधिकारियों को टैक्स संबंधी आ रही परेशानियों से अवगत कराया गया।

**आयुष विभाग द्वारा खोतपुरा में खेलों का आयोजन**

**पानीपत।** खेल मंत्रालय हरियाणा, योग आयोग एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में हर गली हर मैदान खेले सारा हिंदुस्तान अभियान के तहत आयुष विभाग के योग सहायकों रिशपाल कौर, संदीप कुमार, विकास और रेनू द्वारा गांव खोतपुरा में पारंपरिक खेलों योगासन,कबड्डी एवं खो खो का आयोजन एवं प्रतियोगिताएं करवाई गई। आयुष योग सहायक रिशपाल कौर द्वारा भारतीय हॉकी के सबसे दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जीवन और भारत के लिए खेलों में उनके योगदान की चर्चा खिलाडिय़ों के साथ की गई। कार्यक्रम में खोतपुरा गांव की सरपंच पाई देवी एवं कबड्डी कोच अमिताभ आर्य का विशेष योगदान रहा।

पानीपत। खोतपुरा में योग प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे । फोटो : हरिभूमि

### अशोक शर्मा रघुनाथ मंदिर में भव्य श्री गणेश महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया

# गणेश भगवान जी रिद्धि सिद्धि के मालिक है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

अशोक शर्मा रघुनाथ मंदिर मॉडल टाउन समालखा में भव्य श्री गणेश महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। जिसमें नगर पालिका समालखा के अध्यक्ष अशोक कुच्छल मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। वही संजीव शर्मा अपने परिवार के साथ अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे। इस अवसर पर दोनों ही अतिथिगण अपने परिवार के साथ विनोद मल्होत्रा के भजन पर खूब झूमे। रघुनाथ मंदिर सभा की तरफ से नगर पालिका समालखा के अध्यक्ष अशोक कुमार ने बलवंत राय मल्होत्रा और राजेंद्र टंडन को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गणपति महाराज जी को अगर आप दिल से मान सम्मान के साथ पूजन करोगे तो वह आपका दुख अवश्य हर लेंगे। गणेश भगवान जी रिद्धि सिद्धि के मालिक है और सदैव लोगों को और अपने भक्तों को आशीर्वाद देते हैं। श्री गणेश महोत्सव में रघुनाथ मंदिर उत्सव के अध्यक्ष कुलभूषण अरोड़ा ने बताया कि शनिवार को धार्मिक नृत्य प्रतियोगिता होगी।

**ये मौजूद रहे**

*इस अवसर पर अध्यक्ष प्रदुमन गुल्यानी,वेद कुमार,श्याम पटेला, राजवीर तंवर,विनोद मल्होत्रा,नारायण दास, बाबूराम शर्मा आदि उपस्थित थे।*

### हम सब को सरल स्वभाव रखना चाहिए, जितना बने उतना कपट का त्याग करना चाहिए

# कपट के भ्रम में जीना दुखी होने का मूल कारण है

- पर्व के तीसरे दिवस को आर्जव धर्म के रूप में मनाया गया इस अवसर पर मंदिर में श्री विषापहार स्त्रोत विधान का भव्य आयोजन हुआ जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

प्रेस नोटस्थानीय श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, जैन मोहल्ला में जैन धर्म के सबसे पवित्र दसलक्षण पर्व का तीसरा दिन बड़े ही भव्य रूप के साथ मनाया गया आज पर्व के तीसरे दिवस को आर्जव धर्म के रूप में मनाया गया इस अवसर पर मंदिर में श्री विषापहार स्त्रोत विधान का भव्य आयोजन हुआ जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया सर्वप्रथम भगवान पार्श्वनाथ जी का अभिषेक एवं शांति धारा संपन्न हुई उसके पश्चात नित्य नियम पूजन के साथ श्री विषापहार स्त्रोत विधान का शुभारंभ हुआ

इस अवसर पर जानकारी देते हुए सचिव मनोज जैन ने बताया की जैन धर्म में यह स्तोत्र महाकवि धनंजय द्वारा रचित है जिसमें 40 काव्य हैं और इसमें प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव वृषभदेव स्वामी की स्तुति की गई हैयह काव्य भक्ति की शक्ति का अतिशय दिखलाता हैयह स्तोत्र मुख्य रूप से विषधर सर्प के भय से रक्षा और सभी प्रकार के विष (शारीरिक, मानसिक, सांसारिक) को नष्ट करने वाला माना गया है। इसके सर्पभय, विषभय, रोगभय से रक्षा होती है। दुःख, संकट, उपद्रव से मुक्ति मिलती है।जानकारी देते हुए श्री दिगंबर जैन पंचायत के प्रबंधक पुनीत जैन ने बताया कि भाद्रमाह शुक्ल सप्तमी को दिगंबर जैन समाज के दसलक्षण पर्व का तीसरा दिन होता है जिसे आर्जव धर्म के रूप में मनाया जाता है जिसका भावार्थ है कि हम सब को सरल स्वभाव रखना चाहिए जितना बने उतना कपट का त्याग करना चाहिए॥

कपट के भ्रम में जीना दुखी होने का मूल कारण है॥आत्मा ज्ञान, खुशी, प्रयास, विश्वास जैसे असंख्य गुणो से सिंचित है उस में इतनी ताकत है कि केवल ज्ञान को प्राप्त कर सके॥ उत्तम आर्जव धर्म हमें सिखाता है कि मोह-माया, बुरे कर्म सब छोड़ छाड़ कर सरल स्वभाव के साथ परम आनंद मोक्ष पद प्राप्त कर सकते हैं ॥

**सांस्कृतिक कार्यक्रम मनाया**

जानकारी देते हुए अधिवक्ता मेहुल जैन ने बताया कि श्री दिगंबर जैन मंदिर जैन महोल्ला के साथ पानीपत सभी सातों मंदिरों में भी दसलक्षण पर्व मनाया गया । संध्या में पारस ज्ञान संघ के द्वारा जैन धर्म पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया विशेष रूप छोटे-छोटे बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया और तत्पश्चात सभी संध्या आरती शामिल हुए।

**शहीद नौजवान से प्रेरणा लेनी चाहिए**

# विधायक ने शहीद सुशील कुमार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

अशोक शर्माशहीदी दिवस के अवसर पर शहीद महेंद्र सिंह पोसवाल के गांव अतोलापुर मे शहीद सुशील कुमार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते विधायक मनमोहन भड़ाना ने कहा देश की रक्षा के लिए अपने सभी सुख,सुविधाओं को त्याग कर देश के लिए लड़ने का जो दृढ़ साहस दिखाया था,अपना सर्वस्व देश को अर्पण कर दिया उन्हे हमेशा याद किया जाएगा।भडाना ने कहा कि सेना में जाने के बाद जब फौजी अपनी वर्दी पहनता है,तो निश्चित ही उसे गर्व और आत्मविश्वास महसूस होता है।साथ ही वर्दी हमें अनुशासन भी सिखाती है। इसीलिए हर युवा और ग्रामवासी जब भी शहीद की प्रतिमा के सामने से निकलें या यहां आएं तो याद रखें कि एक सैनिक की ही भांति हमें भी अपने जीवन में आत्मविश्वास और अनुशासन लाना है,तो जरूर आगे बढ़ने का रास्ता मिलेगा। ये मूर्तियां हमारी विरासत हैं और हमें इन्हें संजोना है।भडाना ने कहा देश के शहीद नौजवान से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। साथ ही विशेष अवसरों पर प्रतिमा स्थल पर देशभक्ति के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

## शिवधाम गौरी ताल मंदिर के प्रांगण में धार्मिक उत्सव होगा

# भगवान वामन द्वादशी पर लगेगा मेला, ध्वजारोहण से होगी शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुलाना

शिवधाम गौरी ताल मंदिर के प्रांगण में भगवान वामन द्वादशी पर आयोजित होने वाला दो दिवसीय मेला 3 सितंबर से 4 सितंबर तक आयोजित होगा। इसमें मंदिर कमेटी द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 3 सितंबर को सुबह मंदिर प्रांगण में ध्वजारोहण होगा। जिसे अनुज स्यान द्वारा कराया जाएगा। इसके बाद पालकी पूजन राजन गुप्ता द्वारा होगा । मेले का शुभारंभ सरपंच प्रवीन कुमार द्वारा किया जाएगा। दोपहर को शिव धाम गौरी ताल मंदिर से भगवान वामन की पालकी सहित शोभायात्रा का बैंड़ बाजों के साथ शुभारंभ होगा। इसका शुभारंभ नरेंद्र बिलमा और ब्लॉक समिति चेयरमैन रविशेर द्वारा झंडी दिखाकर किया जाएगा। शोभायात्रा के दौरान निकलने वाली झांकियां आकर्षण का केंद्र रहती हैं । 4 सितंबर की शाम को मंदिर प्रांगण में मेला आयोजित किया जाएगा ।

**विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे**

**मेले की रात को मंदिर प्रांगण में होने वाली आतिशबाजी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी**

### निर्मोही म्यूजिकल ग्रुप मुलाना देगा प्रस्तुति

भगवान वामन द्वादशी पर आयोजित होने वाला दो दिवसीय मेले में बतौर मुख्यातिथि पूर्व विधायक संतोष चौहान सारवान और वशिष्ठ अतिथि के रूप में भाजपा महिला प्रदेश कार्यकारी सदस्य मोनिका कालड़ा, पूर्व सरपंच नरेश चौहान, भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश सचिव कर्मचंद गुज्जर शिरकत करेंगे । भजन संध्या का शुभारंभ सुमेर चंद धीमान द्वारा किया जाएगा। मेले के दौरान भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसमें निर्मोही म्यूजिकल ग्रुप मुलाना द्वारा श्रद्धालुओं को भजनों से मंत्रमुग्ध किया जाएगा । इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रहीं हैं।

### केवल मुलाना में ही यह मेला आयोजित किया जाता है

अंबाला शहर के बाद केवल मुलाना में यह मेला आयोजित किया जाता है। मेले के दौरान सैंकड़ों श्रद्धालु मेला देखने पंहुचते हैं। मेले की रात को मंदिर प्रांगण में होने वाली आतिशबाजी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी।

## खबर संक्षेप

अंबाला। क्विज प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले छात्र।

### क्विज स्पर्धा में बीएससी की छात्रा प्रतिष्ठा अव्वल,

**अंबाला।** अबाला शहर के डीएवी कॉलेज (लाहौर), में टेलेंट शो के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज के संयोजक और डीन कल्चरल अफेयर्स प्रोफेसर शिवानी डावर ने बताया कि क्विज की शुरूआत लिखित राउंड से हुई जिसे कुल 11 विद्यार्थियों ने अगले चरण के लिए उत्तीर्ण किया। 4 और राउंड खेले गए जिसमें से बीएससी की छात्रा प्रतिष्ठा ने प्रथम, बीकॉम के छात्र रोहित ने द्वितीय और बीए के छात्र अजय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य प्रो. राजीव महाजन ने विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए।

### उम्मीद फाउंडेशन सेंटर के संचालक पर केस

**साहा।** साहा में पकड़े गए अवैध उम्मीद फाउंडेशन सेंटर संचालक अवतार पर साहा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। यह कार्रवाई डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. मुकेश की शिकायत पर हुई। आरोपी अवतार सिंह पर साहा थाना पुलिस ने आपराधिक षडयंत्र की धारा 61 व धोखाधड़ी की धारा 318(2) व मेंटल हेल्थकेयर एक्ट 2017 के तहत कार्रवाई की। उधर, इस सेंटर से 31 युवकों का पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया था। इसमें से 27 युवकों को परिजनों को सौंप दिया था। चार कैंट के नागरिक अस्पताल में उपचाराधीन है।

## मौसम की मार : कई कॉलोनियों के घरों में अभी भी कई फुट पानी भरा

# शांत हुई टांगरी नदी, कॉलोनियों से उतरने लगा पानी, अब घर लौटने लगे परिवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

*बरसाती सीजन में हर साल टांगरी नदी पहाड़ों में होने वाली बरसात की वजह से उफान पर आती है। इसी वजह से नदी के पास बसी दर्जनों कॉलोनियों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है।*

टांगरी नदी में आया उफान शनिवार को शांत दिखा। नदी किनारे बसी कॉलोनियों से भी अब पानी उतर रहा है। हालांकि पानी उतरने के साथ ही लोगों के सामने गंदगी व कीचड़ की समस्या खड़ी हो गई। अभी तक ज्यादातर घरों में पानी भरा हुआ है। पानी उतरने के साथ ही कुछ परिवार वापिस लौटने लगे हैं। हालांकि ज्यादातर परिवार नदी में फिर उफान आने के डर से अभी खुले आसमान के नीचे सड़कों पर ही डेरा डाले हुए हैं। काफी परिवारों ने घर की छतों पर ही आश्रय लिया हुआ है।

टांगरी नदी में अचानक आए उफान के बाद शुक्रवार रात को घर खाली करने के बाद कई परिवार खुले आसमान के नीचे सड़कों पर रात गुजारनी पड़ी। । महिलाओं और बच्चों को इस स्थिति से ज्यादा मुश्किलें झेलनी पड़ीं। प्रशासन की ओर से इन परिवारों के लिए किसी तरह की व्यवस्था नहीं की गई थी।प्रशासन का दावा है कि समय पर अलर्ट जारी कर दिया गया था जिसकी वजह से लोग सुरक्षित निकल गए थे।शनिवार शाम तक लोग सड़कों पर गद्दे, बिस्तर और चूल्हे लगाकर बैठे हैं। उनका आरोप है कि पहली रात को उनकी मुश्किलों से कटी। दूसरी रात भी उन्हें डर के साए में खुले आसमान के नीचे काटनी पड़ेगी। उनका आरोप है कि प्रशासन की ओर से दूसरे दिन भी उनके लिए किसी तरह की बंदोबस्त नहीं किया है।

**लोग बोले प्रशासन ने नहीं की कोई मदद, खुले आसमान के नीचे डर के साए में काटनी पड़ी रात**

अंबाला। कई घरों में जाम पानी का दृश्य।

**लोगों का जीवन बुरी तरह से प्रभावित**

*बाढ़ से प्रभावित सोमनाथ ने बताया कि टांगरी में बढ़े जलस्तर से उनका जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने तो सिर्फ यहां से निकलने के लिए कह दिया था। जबकि उनके रहने व खाने की कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई थी। सोमनाथ ने बताया कि परिवार के साथ ही उन्हें सड़क किनारे ही चूल्हा लगाकर खाना बनाना पड़ा। हालांकि कई सामाजिक संस्थाओं ने लोगों के लिए खाने पीने की चीजों का बंदोबस्त किया। बाकायदा संस्थाओं की ओर से इन परिवारों को लंगर भी बरताया गया। साथ ही पीने के पानी की बोतलें भी उपलब्ध करवाई गई।*

### नदी के पास बसी दर्जनों कॉलोनियों में बाढ़ की स्थिति

बरसाती सीजन में हर साल टांगरी नदी पहाड़ों में होने वाली बरसात की वजह से उफान पर आती है। इसी वजह से नदी के पास बसी दर्जनों कॉलोनियों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है। सालों से आ रही इस समस्या का अभी तक प्रशासन कोई ठोस समाधान नहीं कर पाया है। शुक्रवार को भी ऐसा हुआ था।

अचानक नदी में 40 हजार क्यूसिक पानी आने से 20 से ज्यादा कॉलोनियों में बाढ़ के हालात बन गए थे।आनन फानन में प्रशासन की ओर से सभी कॉलोनियों में मुनियादी करवाकर लोगों को तुरंत अपने घर खाली करने के आदेश दिए थे। डर के मारे ज्यादातर परिवार घर खाली कर सुरक्षित जगहों पर चले गए थे। शनिवार सुबह नदी से सटे इलाकों में पानी उतरने के साथ ही लोग भी अपने घरों को लौटते दिखे। ज्यादातर परिवारों का कहना है कि घर लौटने के सिवाय उनके पास कोई चारा नहीं है। प्रशासन की ओर से उनके लिए वैसे भी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। खुले आसमान की बजाय घर की छत पर ही वे रात बिताएंगे। हालांकि बच्चों के साथ उन्हें अब भी नदी में बाढ़ आने का डर सता रहा है।

# बैडमिंटन स्पर्धा में ऋषब गुलाटी ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

***डीएवी कॉलेज में खेल दिवस पर आयोजित हुई कई प्रतियोगिताएं***

अंबाला शहर के डीएवी कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । राष्ट्रीय खेल दिवस प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यान चंद के जन्मदिवस पर मनाया जाता है । इस उपलक्ष्य में डीएवी कॉलेज में धूमधाम से खेल दिवस मनाया गया। इस दौरान नॉन टीचिंग स्टाफ व स्टूडेंट्स के लिये बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बैडमिंटन में लड़कों में ऋषब गुलाटी प्रथम रोहित कुमार द्वितीय व मनजोत ने तृतीय स्थान हासिल किया। लड़कियों में ईशा,जसप्रीत व रितु ने प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया । साहिल , राम चरण व खुशहाल चंद ने नॉन टीचिंग वर्ग में बैडमिंटन में विभिन्न स्थान प्राप्त किए । पुरस्कार वितरण समारोह मे प्रिंसिपल राजीव महाजन ने मेजर ध्यान चंद के जीवन पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। विभाग अध्यक्ष डॉ. राजीव राणा ने भी खेल दिवस के बारे में बताया । प्रो. मनीष कुमार प्रो. अनिल कुमार प्रो. मनीष ने प्रतियोगिता का संचालन सफलतापूर्वक किया । इस दौरान वाईस प्रिंसिपल डॉ. परमार ,प्रो. क्यूट खरबंदा, प्रो. राजीव कुमार, डॉ. गगनदीप कौर, अश्वनी कुमार , राजकुमार, विजेंद्र , रविंद्र , अंग्रेज़ सिंह, प्रतीक, जसमेर सैनी मौजूद रहे। विजेताओं को को प्रिंसिपल व वाइस प्रिंसिपल ने सम्मानित किया।

# उत्पादों की ब्रांड बिल्डिंग व सेल बढ़ाने में डिजिटल मार्केटिंग अहम

■ अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में सेमिनार

**अंबाला।** अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सैल की तरफ डिजिटल मार्केटिंग पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार में ब्रांड पैलेट की संस्थापक मधुरा येल ने छात्रों को डिजिटल मार्केटिंग के लाभ व इसे करने की बारीकियों से अवगत करवाया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. देसराज बाजवा ने इस आयोजन के लिए आईआईसी कन्वीनर शगुन आहूजा व सेमिनार कॉऑर्डिनेटर डॉ. बलजिंदर कौर व उनकी टीम को बधाई दी। मुख्य वक्ता मधुरा येल ने कहा कि डिजिटल मार्केटिंग किसी उत्पाद की ब्रांड बिल्डिंग व सेल बढ़ाने में महत्वपूर्ण है। डिजिटल मार्केटिंग के लिए हमें डिजिटल वर्ल्ड व तकनीक की समझ होनी चाहिए। इस मौके पर छात्रों ने अपने सवालों के माध्यम से डिजिटल मार्केटिंग के बारे में अपनी जिज्ञासा शांत की। कार्यक्रम में डॉ. तंजुम कंबोज ने मंच संचालन किया।

■ हाईकोर्ट से स्टे ऑर्डर के मौखिक आश्वासन पर नपा अधिकारी बैरंग लौटे

# पुटा को शिक्षक समुदाय की सच्ची प्रतिनिधि बनाएंगे : डॉ. परवीन

**चंडीगढ़।** पंजाब यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (पुटा) के चुनाव में गिव चेंज अ चांस की टैगलाइन के तहत टीम बैटिंग फॉर चेंज ने आज स्टूडेंट सेंटर में अपना घोषणा पत्र जारी किया।

घोषणापत्र में किए गए वादों के बारे में प्रेस वार्ता में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार डॉ. परवीन गोयल ने बताया कि वे जीतने पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 65 वर्ष करवाने और यूजीसी मानकों के अनुसार 70 वर्ष तक पुनर्नियुक्ति की मांगे पूरी करवाएंगे।

**यह किए वादे:** पंजाब सरकार की अधिसूचनाओं के अनुरूप पुरानी पेंशन योजना की बहाली, डेंटल फैकल्टी के वेतनमान में संशोधन और यूजीसी दिशा-निर्देशों के अनुसार वरिष्ठ प्रोफेसर के पदोन्नति का समय पर कार्यान्वयन करवाने, मातृत्व/बाल देखभाल अवकाश में बढ़ोतरी, पीएचडी इंक्रीमेंट की बहाली और नए नियुक्त फैकल्टी के लिए शोध हेतु सीड ग्रांट जारी करवाने, कैशलेस सुविधा के साथ अस्पतालों का पैनल तैयार करना और कैंपस में अधोसंरचना सुधार करवाने की दिशा में कदम उठाने के वादे भी किए।

### पीयूटीए चुनाव त्रिकोणीय

उल्लेखनीय है कि टीम बैटिंग फॉर चेंज की तरफ से अध्यक्ष पद के लिए यूआईईटी से डॉ. परवीन गोयल, उपाध्यक्ष पद के लिए बायोफिजिक्स विभाग से डॉ. सर्वनरिंदर कौर, सचिव पद के लिए एसी जोशी लाइब्रेरी से डॉ. सुमन सुमी, संयुक्त सचिव पद के लिए फॉरेंसिक साइंसेज से प्रो. विशाल शर्मा और कोषाध्यक्ष पद के लिए डेंटल इंस्टीट्यूट से डॉ. सोनिया बी. भारद्वाज को उम्मीदवार बनाया गया है। इस वर्ष पीयूटीए चुनाव त्रिकोणीय है, जिसमें प्रत्येक पद के लिए तीन उम्मीदवार हैं।

### नशे के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति

■ कलालटी पुलिस चौकी के नए प्रभारी सब इंस्पेक्टर जगदीप सिंह ने संभाला चार्ज

**मुलाना।** कलालटी चौकी का प्रभार सब-इंस्पेक्टर जगदीप सिंह ने संभाल लिया है। शनिवार को उन्होंने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। इससे पहले वे मुलाना थाने में सब-इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे। वह अनुशासित कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद ही उन्होंने क्षेत्र के ग्राम सरपंचों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर साफ कर दिया कि नशे के खिलाफ कोई भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए सबसे बड़ी समस्या बन चुका है। यह युवाओं की शक्ति को खोखला कर रहा है और परिवारों को बर्बादी की ओर धकेल रहा है। उन्होंने ग्राम सरपंचों से अपील की कि वे अपने-अपने गांवों में लोगों को जागरूक करें और पुलिस का साथ दें।। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी चौकी हर समय जनता की सेवा में तत्पर रहेगी।

**धनाना की पीएचसी में न पर्याप्त स्टाफ न ही चिकित्सक**

# एसडीएम ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ शहजादपुर

### सरपंच कैप्टन केहर सिंह ने अभिनंदन किया

एसडीएम शिवजीत भारती ने गांव धनाना में आयोजित रात्रि ठहराव कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। एसडीएम ने विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। कई शिकायतों का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया। एसडीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किए गए रात्रि ठहराव कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यही है कि प्रशासनिक अधिकारी गांव में जाकर ग्रामीणों से सीधे संपर्क करें, उनकी वास्तविक समस्याओं को जानें और उनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर करें। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से प्रशासन और जनता के बीच विश्वास बढ़ता है तथा सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंच पाता है।

इससे पूर्व कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने गांव के सरपंच कैप्टन केहर सिंह ने एसडीएम तथा अन्य अधिकारियों का फूलों के गुलदस्ते व स्मृति चिह्न देकर अभिनंदन किया। गांव की प्रमुख समस्याओं एवं विकास संबंधी मांगें रखीं। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और विकासात्मक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। ग्रामीणों को विशेष रूप से कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई, ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। ग्रामीणों ने रात्रि ठहराव कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल से उन्हें अपनी समस्याएं सीधे जिला के विभिन्न अधिकारियों के सामने रखने का अवसर मिला है। सरपंच कैप्टन केहर सिंह ने एसडीएम के सामने समस्या रखते हुए बताया कि गांव में पीएचसी बनी है जिसमें स्टाफ व डॉक्टर की कमी है।

## साइबर ठगी के मामले में तीन काबू

**अंबाला।** थाना साइबर क्राइम पुलिस लगातार साइबर ठगों को काबू कर जेल की सलाखों के पीछे भेज रही है। इसी कड़ी में साइबर पुलिस ने पार्ट टाइम ऑनलाइन पैसे कमाने के नाम पर साइबर ठगी करने के मामले में आरोपी समीर व अरूण को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को चार दिन के रिमांड पर लिया गया। रिमांड के दौरान आरोपियों ने बताया कि यूपी का प्रेम चंद भी मामले में संलिप्त है। पुलिस ने प्रेम चंद को भी गिरफ्तार किया है। सह उप निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि पीड़ित महिला ने 7 जून 2023 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि कबीर नगर में आरोपी ने वर्क फ्रॉम होम पार्ट टाइम जॉब से पैसे कमाने के नाम पर उससे 19 लाख 64 हजार रूपये की रकम धोखाधड़ी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

## सभी सदस्यों के बीच समाज सेवा की भावना को बढ़ाने पर जोर रहेगा

# रोटरी क्लब अंबाला डायमंड के प्रधान बने राजीव मल्होत्रा, सेवा के लिए क्लब को मिले आठ इनाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

रोटरी क्लब अंबाला डायमंड की नई टीम का शपथग्रहण समारोह संपन्न हो गया। इस वर्ष के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नॉमिनी मोहिंदर पाल गुप्ता रहे। जबकि असिस्टेंट गवर्नर शैलेश दीवान ने सह अतिथि की भूमिका निभाई। पूरा पंडाल उस समय करतल ध्वनि से गूंज उठा जब मुख्य अतिथि मोहिंदर पाल गुप्ता,शैलेश दीवान,पूर्व प्रधान रजनीश गर्ग क्लब एडवाइजर रोहित गुप्ता,उप प्रधान अमित सिंगला ने नए प्रधान राजीव मल्होत्रा के गले में रोटरी का कॉलर पहनाया। पूर्व प्रधान रजनीश गर्ग ने क्लब द्वारा पिछले वर्ष मे किए गए समाज सेवा के कार्यों के 3 रक्त दान शिविर, 2 मेमोग्राफी टेस्ट कैंप, बच्चों को पानी का कूलर, कॉपी, पेन, पेंसिल वितरण के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 मे किए गए कार्यों के लिए क्लब को कुल 8 इनामों से नवाज़ा गया है। क्लब के नए सचिव राजन गर्ग ने बताया कि क्लब रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3080 के द्वारा समय समय पर सभी 110 क्लबों को दिए जाने वाले कार्यों मे बढ़ चढ़कर भाग लेगा। क्लब के कैशियर डॉ. अश्वनी भारद्वाज ने बताया कि इस वर्ष क्लब में सभी सदस्यों के बीच समाज सेवा की भावना को बढ़ाने पर जोर रहेगा। इसमें सभी का सहयोग रहेगा।

अंबाला। रोटरी क्लब अंबाला डायमंड के नए प्रधान राजीव मल्होत्रा को पदभार ग्रहण करवाते पदाधिकारी।

### महिला टीचर्स सम्मानित

क्लब के सबसे सीनियर सदस्य जेजे सिंह,आनंद मुटेरिजा और राकेश भंडारी ने उपस्थित सभी अतिथियों नवीन गुप्ता, राजेश बत्रा,राजीव अनेजा, डॉ. जोगिंदर मनमोहन मैनी, विजय मल्होत्रा, अश्वनी साहनी इत्यादि का स्वागत किया। क्लब एडवाइजर सीए रोहित गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर सभी सदस्य महिला टीचर्स को सम्मानित किया गया। क्लब के तीनों डॉक्टर सदस्यों डॉ. नरेश जिंदल, डॉ. मुकेश भगत और डॉ. परवीन गुप्ता को क्लब मे सभी सामाजिक कार्यों मे हर समय सहयोग के लिए प्रशंसा पत्र दिया गया। क्लब मे तीन नए सदस्य विनीत मालिक, गौरव मेहता और प्रिंस छाबड़ा का परिचय करवाया। सदस्य अजिंद पाल ने सभी उपस्थित क्लब सदस्यों परविंदर भाटिया, सचिन गोयल,देव दत्त शर्मा, कंवल दीप सिंह,संदीप गुप्ता, रिपन शर्मा,ललित अरोड़ा, महेश मित्तल का कार्यक्रम में शामिल होने को धन्यवाद किया।

# रेहड़ी चालक से कैश छीनकर भागे दो स्नैचर, क्राइम ब्रांच ने 24 घंटे के अंदर दबोचा

**पंचकूला।** पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज के दिशा-निर्देश और डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच-19 की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रेहड़ी चालक से 10 हजार रुपये छीनने की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने दो शातिर स्नैचरों को महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। एसीपी क्राइम ने जानकारी दी कि पीड़ित कन्हैया लाल पुत्र कीड़ा राम, मूल निवासी जिला सीतापुर उप्र, हाल निवासी गांव हरीपुर, सेक्टर-4 पंचकूला, किराना स्टोर में रेहड़ी से सामान ढोने का कार्य करता है। पीड़ित ने 28 अगस्त शिकायत दर्ज कराई कि जब वह सेक्टर-4 पंचकूला के पास किसी काम से वापस लौट रहा था, तो बाइक सवार दो अज्ञात युवक उसके पास आए और उससे पूछा कि "क्या तुम्हारे पास गांजा है, हमें दिखाओ। जैसे ही उसने जेब से पैसे निकालकर दिखाने की कोशिश की, दोनों ने उसके हाथ से 10 हजार छीन लिए।

■ सीसीटीवी की मदद से हुई आरोपियों की पहचान

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 31 अगस्त 2025

# क्या टीचर्स का रोल निभा पाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

**जब-जब किसी नई तकनीक का प्रचलन बढ़ता है, पारंपरिकता के सामने चुनौती खड़ी हो ही जाती है। हाल के वर्षों में एआई के बढ़ते चलन ने कई अन्य प्रोफेशंस समेत टीचर्स के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एआई कभी एक इंसान जैसी भावनात्मक जुड़ाव के साथ नैतिकता और मानव मूल्य का पाठ छात्रों को पढ़ा पाएगा?**

{ आवरण कथा / लोकमित्र गौतम }

आज के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) युग में जब हर तरह के कठिन से कठिन सवाल का जवाब चैटबॉट पलक झपकते दे देते हों, जब बच्चों से लेकर गहन शोधकर्ताओं तक में अपनी हर जिज्ञासा को गूगल सर्च या एआई के जरिए साफ करने की प्रवृत्ति गढ़ी हो, जब दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटीज में भी आधे से ज्यादा शोध एआई की मदद से किए जा रहे हों, जब नए वैज्ञानिक आविष्कारों, मेडिकल तकनीकों, बीमारियों के नए से नए इलाज खोजने के लिए एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा हो, तब क्या बच्चों को पढ़ाने के लिए, उन्हें पढ़ा लिखाकर संवारने के लिए, शिक्षकों की उतनी ही जरुरत है, जितनी अब के पहले हुआ करती थी? यह सवाल इसलिए आजकल हर तरफ पूछा जाने लगा है या बिना पूछे भी मौजूद दिख रहा है, क्योंकि कई एआई विशेषज्ञों ने ही नहीं, इस दौर के मशहूर अध्यापकों ने भी घोषणा कर दी है कि अगले कुछ सालों में पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत नहीं होगी। हाल के सालों में अपने पढ़ाने की शैली से जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले अध्यापक और एक मशहूर कोचिंग के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कई हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि अब छात्रों को टीचर क्या पढ़ाएगा, उन्हें हर जरूरी सवाल का जवाब बड़ी सहजता से एआई से मिल रहा है और अगले कुछ सालों में और विश्वसनीय तरीके से मिलेगा।

असल में यह सब जितना सतही दिखता है, उतना है नहीं। हालांकि एआई के आने के तुरंत बाद यह घोषणा नहीं की गई कि एआई जिन कुछ पेशेवरों को सबसे पहले बेरोजगार करेगी, उनमें अध्यापक भी होंगे। लेकिन जब से गूगल सर्च धीरे-धीरे करीब 90 फीसदी तक विश्वसनीय हुआ और फिर चैटबॉट का धमाका हुआ, जो इंसानों की ही तरह व्यक्तिगत रूप से आपकी हर जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करता है और जो इसके नए वर्जन मार्केट में आए हैं, वो यह सब काम सिर्फ तथ्यात्मक या तकनीकी ढंग से सपाट अंदाज में नहीं कर रहे बल्कि इसमें इंसानों की तरह का एक खिलंदड़पना भी है। तब से यह भविष्यवाणी जरा तेज होने लगी है कि आने वाले दिनों में अध्यापकों की जरूरत नहीं रहेगी।

## कम नहीं हुई शिक्षकों की महत्ता

यहां हमें यह भी समझना होगा कि असल में शिक्षक की भूमिका कभी भी केवल जानकारी देने वाले की नहीं रही, अगर सिर्फ इतनी ही होती तो जब कागज में किताबें छपने लगी थीं, रेडियो का आविष्कार हो गया और उसमें तमाम ज्ञान और शिक्षा के कार्यक्रम आने लगे, जब टीवी का स्वर्णयुग आया और विभिन्न विषयों पर दुनिया के एक से बढ़कर एक विशेषज्ञों के विचार सार्वजनिक होने लगे और हां, सबसे ज्यादा तब जब इंटरनेट अस्तित्व में आया और दुनियाभर के ज्ञान का एक व्यवस्थित स्रोत बन गया, तब भी टीचर्स की जरूरत में रत्तीभर कोई कमी नहीं आई बल्कि सच तो यह है कि दिलो-दिमाग में इसके अप्रासंगिक हो जाने का विचार तक नहीं आया। हालांकि निश्चित रूप से एआई के विस्तारित आविष्कार के रूप में अस्तित्व में आए लॉन्ग लैंग्वेज मॉडल्स अर्थात चैटबॉट ने पहली बार अध्यापकों की जरूरत पर सवालियां निशान लगाएं हैं। लेकिन यकीन मानिए, ये सवालिया निशान सिर्फ तात्कालिक या कहें शुरुआती चकाचौंध की उपज हैं।

## मार्गदर्शन भी देता है अध्यापक

सच बात यही है कि जैसे-जैसे चैटबॉट का अनुभव पुराना होता जाएगा, हमें स्वतः यह पता चल जाएगा कि यह या एआई का कोई भी आविष्कार वास्तव में कभी अध्यापक की जगह नहीं ले सकता। क्योंकि अध्यापक केवल मशीनी अंदाज में छात्रों को ज्ञान भर नहीं देता। उसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी होती है। अध्यापक ज्ञान देने से बढ़कर मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनमें मूल्यों की नींव डालता है और उनके एकीकृत व्यक्तित्व का संरक्षक बनता है। इसलिए यह जटिल भूमिका कोई भी वैज्ञानिक आविष्कार या कहें वह कितना ही महान और कितना ही क्रांतिकारी हो, नहीं कर सकता।

## निभाता है बहुस्तरीय भूमिका

अध्यापक बहुस्तरीय भूमिका निभाते हैं। वे मशीन नहीं हैं। वे आपको मशीनी अंदाज में निर्मित नहीं करते बल्कि एक कलाकार की तरह अपनी समूची भावनात्मक संवेदना के साथ धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए कोई मशीन कितनी ही इंटेलीजेंट क्यों न हो जाए, वह कभी भी अध्यापक की जगह नहीं ले सकती। दिल छू जाने वाले सवाल पूछना और जीवन बदल देने वाली प्रेरणा देना सिर्फ इंसान ही जानता है। यह कमाल सिर्फ इंसानी टीचर ही कर सकता है। इसलिए उन्नत से उन्नत चैटबॉट के युग में भी इंसानी अध्यापक न सिर्फ बने रहेंगे बल्कि पहले से और ज्यादा प्रासंगिक होंगे, इस जटिलता से निजात दिलाने के लिए। शिक्षक अब न सिर्फ सूचना ही देता है और न ही कोई कुशलता सिखाता है। वह सूचना और कुशलता सिखाने के साथ-साथ आप में प्रशिक्षण यानी वैल्यू और एथिक की भी नींव मजबूत करता है। क्योंकि एआई किसी भी सवाल का क्या और कैसे बता सकता है, लेकिन अधिकांश सवालों से 'क्यों' जवाब शिक्षक ही देगा। जीवन मूल्य, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसी चीजें कोई इंसान ही किसी दूसरे इंसान को सिखा सकता है या कोई इंसान ही दूसरे इंसान से सीखने के लिए प्रेरित हो सकता है। एआई छात्रों में पर्सनालिटी बिल्डिंग यानी व्यक्तित्व विकास का काम भी अच्छे ढंग से नहीं कर सकता। किसी भी छात्र को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए कोई जीता जागता अध्यापक ही प्रेरित कर सकता है।

## अध्यापकों को स्वीकारनी होगी चुनौती

इस मामले में यह भी जरूरी है कि एआई की चुनौती से निपटने के लिए आज के अध्यापकों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। अब सिर्फ किताब पढ़ा देना भर अध्यापक का काम नहीं रहा। अब विशेषकर इस चैटबॉट के युग में अध्यापकों की कई तरह की भूमिकाएं उभर कर सामने आती है। मसलन-अब अध्यापक को एक मेंटर के रूप में अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। उसे छात्र को यह सिखाना है कि किसी भी जानकारी का उपयोग कैसे करना है, कौन सी जानकारी विश्वसनीय है और कौन सी भ्रामक है या हो सकती है, इसका फर्क सिखाना भी बहुत जरूरी है। *

## कई रूपों में नाकाबिल है एआई

**आज एआई** की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पीड और स्केल को माना जाता है। कोई भी बच्चा जब चाहे एआई चैटबॉट से गणित का सवाल हल कर सकता है, किसी भी ऐतिहासिक घटना का सार या सारांश पा सकता है। विज्ञान की जटिल से जटिल थ्योरी को समझ सकता है। इस दृष्टि से एआई एक विशिष्ट सूचना शिक्षक तो है, लेकिन एआई या चैटबॉट किसी छात्र का दिल नहीं बदल सकता, उसे प्रोत्साहित नहीं कर सकता, उसे प्रभावित नहीं कर सकता और उसे प्रोत्साहित भी नहीं कर सकता। इस अर्थ में टीचर एआई या चैटबॉट के लिए खुद में एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ सवालों के जवाब पाना नहीं है बल्कि छात्रों में सोचने, समझने, चीजों को विश्लेषित करने की एक शैली या कुशलता को विकसित करना भी है। यह स्किल या कुशलता सिर्फ अध्यापक ही छात्रों को दे सकता है। इस मामले में एआई की क्षमता सीमित है। कोई भी मशीन किसी इंसान को किसी तरह का मूल्य नहीं सिखा सकती, न ही उसमें मूल्यबोध पैदा कर सकती है।

विशेषः शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

{ विचारणीय / अलका सोनी }

अनेक वजहों से हमारे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और उनके प्रति सम्मान घटता जा रहा है। उनके सामने अनेक चुनौतियां और मुश्किलें भी मौजूद हैं। ऐसे में उन सवालों पर विचार करना और उनके जवाब खोजना आज बहुत जरूरी हो गया है।

# तभी फिर सम्मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे शिक्षक

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या आज के भारत में शिक्षक इस सम्मान का वास्तविक अनुभव कर पा रहे हैं? क्या यह पेशा युवाओं की पहली पसंद रह गया है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब हम विदेशों की तुलना में अपने शिक्षकों की स्थिति देखते हैं, तो क्या हमें आत्ममंथन की आवश्यकता नहीं है? आज तो ऐसी स्थिति हो गई है कि जब कोई बच्चा पढ़ना शुरू करता है, तब से ही अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिचित उसे इंजीनियर, डॉक्टर और न जाने कौन-कौन से पेशे को अपनाने का सपना देखने और दिखाने लगते हैं। तब शायद ही कोई यह कहता है कि वह बड़ा होकर एक शिक्षक बनेगा। यह बात कड़वी है, लेकिन सच है। भले ही हमारे देश में गुरु-शिष्य परंपरा रही हो। हम गुरु को भगवान से भी बड़ा मानते हो, लेकिन हमारे ही देश में आज शिक्षक के पेशे को कमतर आंका जाता है। लोग मजबूरी में शिक्षक के पेशे को अपनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि आज आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

**शिक्षक का बदलता स्वरूपः** प्राचीन भारत में गुरु का दर्जा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। उन्हें सचमुच भगवान से ऊंचा स्थान दिया जाता था। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक, शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए जिम्मेदार होते थे। उन्हें वेतन नहीं, बल्कि 'दक्षिणा' दी जाती थी। यानी सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक, साथ ही एक बार शिष्य के गुरुकुल में प्रवेश करने के बाद उस पर गुरु का अधिकार होता था। उनकी आज्ञा ही उसके लिए सर्वोपरि होती थी। इस क्रम में शिष्यों के माता-पिता भी उनके बीच नहीं आते थे।

**कई दायित्वों का दबावः** अगर आप प्राचीन भारत से तुलना करें तो साफ पता चलेगा कि आज अधिकतर शिक्षकों का कार्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गया है। यानी कि वे शिक्षा देने के साथ-साथ मिड-डे मील की निगरानी से लेकर चुनाव ड्यूटी, जनगणना, टीकाकरण जागरूकता अभियान जैसे कई सरकारी कार्य में लगाए जा रहे हैं। इन सब कामों में उनकी भूमिका है, लेकिन उस अनुपात में उन्हें ना तो वह सम्मान मिलता है, न ही संसाधन। फलस्वरूप उनमें असंतोष या हताशा के भाव घर कर लेते हैं। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनकी वजह से युवा इस पेशे को कम ही अपनाना चाहते हैं।

**आर्थिक कारणः** किसी भी पेशे को अपनाने की सबसे बड़ी वजह लोगों का आर्थिक रूप से सक्षम होना होता है। लेकिन शिक्षकों को समान शिक्षा कौशल वाले अन्य क्षेत्रों आई टी, फाइनेंस, मैनेजमेंट की तुलना में शुरुआती वेतन प्रायः कम मिलता है, जिससे अवसर-लागत अधिक लगती है। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट/अस्थाई नियुक्तियां उनके काम करने के उत्साह को कम करती हैं। क्योंकि गेस्ट, आउटसोर्स या अल्पकालिक कॉन्ट्रैक्ट्स में वेतन और सुविधाएं सीमित रहती हैं।

**भर्ती-प्रक्रिया की दिक्कतेंः** अकसर सरकारी शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया बहुत समय लेती है। इससे भर्ती में देरी, अनिश्चितता बनी रहती है। विज्ञापन से ज्वाइनिंग तक वर्षों लग जाते हैं। इससे ऊबकर युवा करियर के दूसरे विकल्प चुन लेते हैं। नियुक्ति की परीक्षाओं में पेपर लीक, बार-बार होते मुकदमे और परीक्षा रद्दीकरण इसकी परीक्षा विश्वसनीयता पर असर डालती है, जिससे समय और ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है। पहले शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया आसान और सुलझी हुई थी। लेकिन अब दिन पर दिन यह जटिल होती जा रही है।

**कार्य-परिस्थितिः** अधिकतर शिक्षकों पर बहुत दबाव रहता है। एक ही शिक्षक पर कई कक्षाएं और विषय पढ़ाने का दबाव भी रहता है, जिससे सभी छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कुछ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे कि लैब, लाइब्रेरी, स्मार्ट-क्लास, बिजली/नेट जैसी न्यूनतम सुविधाएं भी सीमित रूप में होती हैं।

**कई स्तरों पर बदलाव की जरूरतः** शिक्षकों का मुख्य कार्य पठन-पाठन से जुड़ा होना चाहिए। उन्हें गैर-शैक्षिक कामों से यथासंभव राहत देनी चाहिए। क्योंकि इन सब से उनकी कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए विद्यालय में केवल शिक्षण पर ध्यान देने का वातावरण बनाने की जरूरत है। ताकि युवाओं के मन में इस पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण बना रहें। शिक्षा में सुधार के लिए छात्रों के साथ ही शिक्षकों और विद्यालयों की स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता होती है। हर विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने से शिक्षकों के ऊपर कम दबाव होगा। लैब, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचनी जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इनके अलावा आज समाज में शिक्षक के पेशे का सम्मान घटता जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि लोग जिन भी कारणों से इस काम के प्रति उदासीन हो रहे हैं, उन कारणों को दूर करने की आवश्यकता है। अगर मीडिया और समाज में शिक्षकों को 'सोशल हीरोज' के रूप में मान्यता मिले, उन्हें पुरस्कार, सामुदायिक सम्मान मिले, तो स्थिति में बदलाव आ सकती है। *

{ कविता / हरीश कुमार 'अमित' }

## कुछ ख्वाब

कुछ ख्वाब
जिंदगी के
रहते बस ख्वाब ही।
बीतती जाती जिंदगी
देखते-देखते
इन ख्वाबों को।
इंतजार इन ख्वाबों के
पूरा हो जाने का,
रहता बस इंतजार ही।
बढ़ती रहती
इन ख्वाबों के
पूरा न हो पाने की कसक
वक्त बीतने के साथ-साथ।
और आखिरकार
बन जाती एक दिन
खुद जिंदगी ही
एक बीता हुआ ख्वाब।

{ कहानी / संजीव ठाकुर }

विकास के नाम पर पेड़ों की बलि कितनी हृदय विदारक होती है, यह तो केवल पेड़ ही महसूस कर सकते हैं। हम इंसान तो केवल अपने स्वार्थ और आरामतलबी के चलते उन पर कुल्हाड़ी चलाते रहते हैं। काश हममें वह संवेदना जगती, कि हम इन पेड़ों की दारुण व्यथा-कथा सुन सकते, महसूस कर सकते!

# मातम

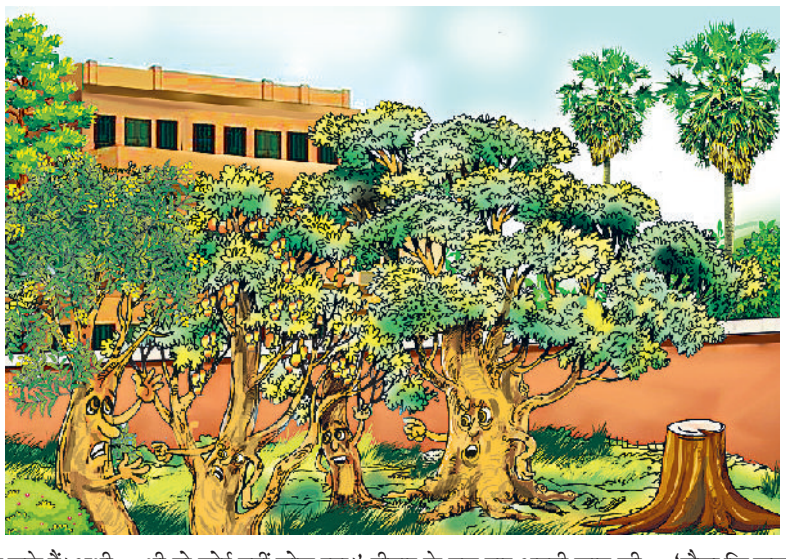

दीवार खिंच चुकी है। कैंपस के करीब पांच मीटर अंदर। दो सौ मीटर लंबाई में। इस दीवार के बाहर कैंपस की जो जमीन है, पेड़-पौधे हैं, कमरे हैं, चहारदीवारी है- अब सरकारी संपत्ति है। यह कैंपस भी वैसे सरकारी है- कम से कम एक सौ सत्तर वर्ष पुराना। हेरिटेज बिल्डिंग। बाहर खुला लॉन। साठ-सत्तर वर्ष पुराने पेड़ों से घिरा हुआ।

अब खिंची दीवार के बाहर की समस्त भूमि सड़क का हिस्सा बनने जा रही है। पेड़ कट कर कुछ सरकारी गोदाम और कुछ चोरी-चुपके मंडियों में पहुंचने लगे हैं।

सीधे खड़े नीम और सेमल के पेड़ की बलि ली जा चुकी है। कल बट-बाबा की बारी है। कयामत की रात है। आस-पास खड़े सभी पेड़ गमगीन हैं- जो दीवार के इस पार हैं वे भी, उस पार हैं वे भी। इस पार वर्षों से टेढ़ा खड़ा नीम सीधे खड़े नीम के जाने से उदास है। कहता है, 'मुझे ही काट ले जाते? मैं लंगड़ा पेड़, न जाने कब गिर जाऊं? मेरे जाने से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वह तो तीस वर्षों से खड़ा था, वातावरण की सारी गंदगी पीता था और स्वच्छ हवा लोगों को देता था।'

सेमल का भाई भी अपने बड़े भाई के जाने से दुखी है। 'कल नहीं तो परसों मेरी भी बारी आ ही जानी है।' वह सोच रहा है। दीवार के इस पार खड़ा ताड़ का पेड़ बोल पड़ा, 'अब देखो, मैं बच गया। मैं तो लोगों को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाता, लेकिन बट-बाबा के बारे में सोचो। साठ साल से धूप, वर्षा, ठंड की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। कितनी तो गर्मी अपने अंदर सोख चुके हैं। अभी भी गर्मी सोखने की इनकी ताकत का कोई जोड़ नहीं है। लेकिन मूर्ख मनुष्य कुछ सोचने वाले ही नहीं हैं।'

इस पर बट-बाबा बोले, 'मेरी चिंता मत करो दोस्तों! मैं तो अपने बेटे के बारे में चिंतित हूं। उसने अभी दुनिया ही कितनी देखी है? ...दो-चार दिनों में वह भी मशीनी दानव के द्वारा धराशाई कर दिया जाएगा।'

'उस नए-नए जवान हुए पीपल और आम के पेड़ के बारे में भी तो कोई नहीं सोच रहा।' दीवार के उस पार अपनी जान की खैर मनाता जामुन का पेड़ बोल पड़ा।

'अरे! मनुष्य अपने विनाश की पटकथा खुद लिख रहा है। हमें क्या सोचना?' पीपल बोल पड़ा, 'मैं अभी कम से कम पचास साल यहां खड़ा रहता और मनुष्य को बचाने में अपना योगदान देता। लेकिन...! कोई बात नहीं।'

आम के पेड़ ने गुस्सा होते हुए कहा, 'मैं साफ हवा के साथ-साथ उन गधों को मीठे फल भी देता हूं। फिर भी मेरी चिंता उन्हें नहीं है। मैंने यहीं इसी कैंपस में किसी को कहते हुए सुना है, 'अगर पेड़ों को नहीं काटा जाएगा तो विकास कैसे होगा?'

'विकास क्या होता है दादा?' टेढ़े नीम ने पूछा।

पीपल के पेड़ ने बुजुर्ग की भूमिका ओढ़ते हुए समझाया, 'हमें काट कर, गड्ढों को ईंट, पत्थर से पाटकर, बुल्डोजर चलाकर, ऊपर से कोलतार की चादर बिछाकर जो चमचमाती सड़क बनती है, उसे विकास कहते हैं बेटा! यह विकास पूरे देश में होता रहता है। पहाड़ों पर होता रहता है। जंगलों को अंधाधुंध काटकर चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई जाती हैं। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई में रहने वाले लोगों की गाड़ियां मैदान से लेकर पहाड़ तक फर्राटे भरती रहती हैं। वे लोग सरकार की तारीफ में कहते हैं, 'देखो, यह है विकास।'

'लेकिन मैंने तो यहीं एक बार दो लोगों को बात करते सुना था कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों के पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है।'

'पर्यावरण की चिंता किसे है बेटे?' बट-बाबा ने दुखी स्वर में कहा, 'मैं तो पिछले साठ सालों से देख-सुन रहा हूं। कई लोगों को इसके लिए अभियान चलाते हुए भी देखा है। लेकिन होता-हवाता कुछ नहीं है। अंततः सरकार ही जीतती है। कहीं पेड़ों, पहाड़ों को काटकर सड़क बना देती है, बड़े-बड़े होटल बनवा देती है, कहीं बीसियों गांवों को सदा के लिए पानी में डुबोकर बांध बनवा देती है।'

'लेकिन यह सब भी तो जरूरी ही होता होगा, 'जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?' सेमल का अधेड़ पेड़ बोल पड़ा।

पीपल को गुस्सा आ गया, 'होता है बाबू, होता है। तभी तो वे पेड़, पहाड़, नदी, तालाब वगैरह की परवाह नहीं करते। जहां कुछ बनाना हो, बना लेते हैं। लेकिन जान लो, मैं जाते-जाते कह रहा हूं- यह विकास ही उनके विनाश की वजह होने जा रहा है।'

पेड़ों के बीच चुप्पी छा गई। उनके पत्तों ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। वे इतने गमगीन हो गए मानो मनुष्य का विनाश होने पर मातम मनाने बैठे हों। *

{ पुस्तक चर्चा / दिनेश मालवीय 'अश्क' }

# भावप्रवण कविताओं का पठनीय संग्रह

कहते हैं, हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। काव्यात्मक अनुभूतियां होने के बावजूद हर किसी में उन्हें शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता नहीं होती। जिनमें यह क्षमता होती है, वे औपचारिक रूप से कवि बन जाते हैं। जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक पद से सेवानिवृत्त सुरेश गुप्ता का प्रथम काव्य संग्रह 'असमय का अंधेरा' हाल में प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह में उनकी 89 कविताएं शामिल हैं। मुक्त छंद में रचित सभी कविताएं छोटी, लेकिन गहरे भाव और जीवन अनुभव से परिपूर्ण हैं। किताब की पहली कविता 'असमय का अंधेरा' पढ़ते ही कवि की भाव प्रवणता और सशक्त अभिव्यक्ति का संकेत मिल जाता है। इसमें वे कहते हैं, 'अंधेरे से किसी को/भला क्या ऐतराज हो सकता है/रात लिखी ही है/अंधेरे के नाम/जैसे दोपहर, शाम दिन के नाम/पर बहुत कचोटता है/यह असमय का/दिन का अंधेरा।' एक अन्य कविता में वह गहरा जीवन दर्शन कुछ ऐसे बयां करते हैं, 'कुछ पा लिया/कुछ छूट गया/जो छूटा/उसमें/वह रास्ता भी रहा/जो तुम तक/जाता था।' कई कविताओं के गहन अर्थ को समझने के लिए दो-तीन बार भी पढ़ना पड़ सकता है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि इन कविताओं में कवि के जीवन संघर्ष, कड़वे-मीठे अनुभव बहुत सहजता से अभिव्यक्त हुए हैं। *

**पुस्तकः** असमय का अंधेरा, **लेखकः** सुरेश गुप्ता, **मूल्यः** 100 रुपए, **प्रकाशकः** प्रथमेश प्रिंटर्स, भोपाल

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 31 अगस्त 2025

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस / समीर चौधरी

बहुत से पर्यटक खूबसूरत समुद्र तट देखने के लिए विदेशों का रुख करते हैं। जबकि अपने ही देश में एक से बढ़कर एक मनमोहक समुद्र तटीय शहर मौजूद हैं। इन शहरों में समुद्रतटीय सौंदर्य के अलावा और भी बहुत कुछ दर्शनीय है। यहां आपको ऐसे ही अमेजिंग सी-बीचेज वाले शहरों के बारे में बता रहे हैं।

# अपनी सुंदरता से मोहित कर देंगे देश के ये समुद्र-तटीय शहर

## बीच लवर्स का पसंदीदा वर्कला

**केरल में** अरब सागर को स्पर्श करता हुआ वर्कला शहर, बीच लवर्स के लिए विशिष्ट जगह माना जाता है। खासतौर पर इसका पापनासम बीच बहुत ही पवित्र स्थल माना जाता है। इससे जुड़ी कई आध्यात्मिक मान्यताएं हैं। चट्टानों के आस-पास सुंदर कैफे, दुकानें और योगा केंद्र, आध्यात्मिक स्पर्श के साथ प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श जगह है, जहां तटीय आकर्षण के साथ शांति भी मिलती है। *

## पुर्तगाली विरासत का झरोखा दीव

**भारत के** पश्चिमी तट पर स्थित दीव, छोटा सा सुंदर द्वीपीय शहर है, जहां पुर्तगाली विरासत के दर्शन तो होते ही हैं, यहां कई मनोरम समुद्र तट भी हैं। यहां के प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में शामिल हैं दीव फोर्ट, नैदा गुफाएं और सेंट पॉल चर्च। इनके अलावा जब आप इस शहर में घूमने जाएं नागोया बीच और घोघला बीच को देखना ना भूलें। यहां पर्यटक वाटर स्पोर्ट्स का भी खूब आनंद ले सकते हैं। *

## कोलोनियल अट्रैक्शन का जादू पुडुचेरी

**पुडुचेरी को** 'फ्रेंच रिवेरा ऑफ द ईस्ट' के नाम से भी जाना जाता है। यहां आपको कोलोनियल अट्रैक्शन और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर का गजब का संगम देखने को मिलेगा। पेड़ों की लंबी-लंबी कतारों वाले बुलेवार्ड और मन को लुभाने वाले गोल्डन बीच, ऐसा जादुई आकर्षण उत्पन्न करते हैं, लगता है जैसे नेचर ने फुर्सत में इसे पिक्चराइज किया है। यहां पर्यटक फ्रेंच क्वार्टर्स में चहलकदमी कर सकते हैं, कैफेटेरिया में सुकून से कॉफी का आनंद ले सकते हैं। सबसे खास आकर्षण यहां का पैराडाइस बीच है, जहां पर डूबते हुए सूरज को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। औरोविले और श्री अरबिंदो आश्रम का शांत वातावरण आपको अनोखी आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगा। *

## अनोखा-सुंदर समुद्र तट है कच्छ

**गुजरात के** कच्छ क्षेत्र में मांडवी गजब का आकर्षक स्थल है, जो अपने मांडवी सी-बीच और 16वीं शताब्दी में निर्मित विजय विलास पैलेस के लिए जाना जाता है। शांति से समुद्र तट के पास समय गुजारने की चाहत वाले पर्यटकों के लिए यह शहर बिल्कुल परफेक्ट है। यहां आप लकड़ी के परंपरागत धो (पाल वाली नौका) को करीब से देख सकते हैं, जो इस क्षेत्र की विरासत का प्रतीक है। *

## कई अट्रैक्टिव बीचेज वाला गोकरण

**एक समय** तक कर्नाटक के समुद्रतटीय गोकरण के बारे में कम पर्यटक ही जानते थे। लेकिन हाल के वर्षों में यह तटीय शहर गोवा के समान ही पर्यटकों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। यहां आपको वर्जिन बीच के अलावा ओम बीच और कुदले बीच देखने को मिलेंगे। ट्रैकिंग के लिए भी गोकरण परफेक्ट शहर है। यहां अनेक योगा रिट्रीट्स भी मौजूद हैं, जिनसे आध्यात्मिकता का अनुभव लिया जा सकता है। *

## सबसे दक्षिणी समुद्री किनारा कन्याकुमारी

**भारत का** सबसे दक्षिणी सिरा कन्याकुमारी है, जहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर आपस में मिलते हैं। यह शहर सूरज के उगने और डूबने के अद्भुत नजारों और समुद्रों के संगम के लिए विख्यात है। हालांकि यहां देखने को और भी बहुत कुछ है, लेकिन पर्यटक विशेष रूप से विवेकानंद रॉक मेमोरियल और थिरुवल्लुवर मूर्ति के दर्शन करने के लिए आते हैं। *

# सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है क्लीयर टार्गेट

अगर मेहनत किए जाने की दिशा ही स्पष्ट न हो, तो फिर चाहे आप कितना ही कुछ कर लें, कामयाबी नहीं मिल सकती। करियर में सक्सेस पाने के लिए क्लीयर टार्गेट होना क्यों जरूरी है, जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

कीर्तिशेखर

जीवन में सफलता पाने की दौड़ में कई लोग दिन रात मेहनत करते हैं, लेकिन हर मेहनत करने वाला अपनी मंजिल पा ही ले, यह जरूरी नहीं है। कारण सिर्फ इतना है कि कई लोग मेहनत तो करते हैं, लेकिन उनकी मेहनत की कोई स्पष्ट दिशा नहीं होती। जबकि करियर में सफलता पाने के लिए लक्ष्य की स्पष्टता बहुत जरूरी होती है।

**इसलिए जरूरी है लक्ष्यः** लक्ष्य हर पल याद कराए रखता है कि आपको किस ओर बढ़ना है, भटकना नहीं है। इस तरह देखें तो लक्ष्य स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। अगर आप एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो चाहे आप जितनी मेहनत करते हों, उन लोगों से हमेशा आगे रहेंगे, जो बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य के भटकते रहते हैं, फिर चाहे वो इस दौरान कितनी ही हाड़ तोड़ मेहनत क्यों न कर लें। लक्ष्य केवल हमें उत्साहित ही नहीं रखता बल्कि लगातार कठिनाइयों के समय भी लक्ष्य की प्रेरणा हमें अपनी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहती है।

अगर हमारे सामने एक लक्ष्य है तो हम एक निश्चित समय के बाद इस बात का वैज्ञानिक आकलन कर सकते हैं कि आखिर हम अपने लक्ष्य की ओर कितना आगे बढ़े हैं? बढ़े भी हैं या वहीं के वहीं खड़े हैं।

**अनिश्चित लक्ष्य से होता है भटकावः** सुरेश के उदाहरण से इसे और अच्छी तरह समझ सकते हैं। वह 12वीं पास करने के बाद से ही सिविल सर्विसेस में जाने का सपना देखता था। लेकिन उसका यह लक्ष्य स्पष्ट नहीं था। उसने कुछ दिन तक सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी की और फिर किसी ने कहा एमबीए का स्कोप भी अच्छा है, अतः वह एमबीए में लग गया। जब एमबीए क्लीयर नहीं हुआ, तो किसी ने कहा व्यावहारिक यही है कि पहले एसएससी का एग्जाम क्लीयर कर लो, इसके बाद सिविल सर्विसेस बेहतर रहेगा। अतः वह एसएससी की तैयारी में लग गया। लेकिन पांच साल बीत गए उसे किसी क्षेत्र में भी कोई सफलता नहीं मिली। न वो आईएएस बन सका, न एमबीए कर सका और यहां तक कि एसएससी भी क्लीयर नहीं कर पाया। जब पांच साल बीत गए उसे बड़ा पछतावा हुआ और जब उसने दृढ़ निश्चय कर लिया कि एक साल वह अपना स्पष्ट टाइम टेबल बनाकर यूपीएससी की अच्छी तरह से तैयारी करेगा। अंततः वह तीसरे प्रयास में सचमुच सफल हो गया। इस उदाहरण का मोरल संदेश यही है कि अगर सफलता चाहते हैं, तो अपने लक्ष्य को बिल्कुल स्पष्ट रखें, लक्ष्य से जरा भी इधर या उधर न भटकें। ऐसा करेंगे तो सफलता हर हाल में मिलेगी।

**लक्ष्य से आसान हो जाती है राहः** सुरेश से ही मिलती-जुलती कहानी वनिता की है। वनिता एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और चाहती थी कि वह अगले कुछ सालों में कंपनी की मैनेजर बन जाए। लेकिन कितने समय के भीतर कंपनी का मैनेजर बनना है या मैनेजर बनने के लिए क्या-क्या करना है, ऐसा कोई भी खाका उसके पास नहीं था। इसलिए चार साल गुजर गए। लेकिन मैनेजर नहीं बन सकी। एक दिन उसने अपने सीनियर से सलाह ली और उनके सामने अपने सपने को खोलकर रख दिया। सीनियर हमदर्द थे, तो उन्होंने ईमानदारी से समझाया कि प्रमोशन पाने के लिए पहले अपने आपमें कई तरह के स्किल्स डेवलप करने होंगे। क्योंकि किसी भी कंपनी के मैनेजर को विभिन्न प्रोजेक्ट्स में सफल होने के लिए इस तरह के स्किल्स की जरूरत होती है। वनिता को समझ में बात आ गई, उसने डिजिटल मार्केटिंग का सर्टिफिकेट कोर्स किया, टीम लीड प्रोजेक्ट्स लिए और खुद को एक दिशा देकर तैयार किया। आज वनिता अपनी कंपनी में मैनेजर है। इस उदाहरण की सीख है कि अगर कुछ खास बनना चाहते हैं तो पहले ही दिन से एक स्पष्ट लक्ष्य रखना जरूरी है।

लब्बोलुआब यह कि जो भी अपनी जिंदगी में स्पष्ट लक्ष्य बनाता है, वह हर हाल में सफल होता है। इसलिए अगर आप भी अपने करियर में कामयाबी चाहते हैं, तो अपना लक्ष्य स्पष्ट बनाएं और बनाएं ही नहीं बल्कि उस पर अमल भी करें। *

फैशन ट्रेंड

प्रतिमा अरोड़ा

नए फैशन ट्रेंड के अनुसार पिछले कुछ समय से यंगस्टर्स की पसंद में कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खासतौर पर शर्ट्स में नए-नए एक्सपेरिमेंट्स युवाओं को खूब भा रहे हैं। इस बदलते फैशन ट्रेंड पर एक नजर।

# यंगस्टर्स की शर्ट्स में दिख रहे नए फैशन मूड्स

हाल के महीनों में यंग मेन की शर्ट्स में जो फैशनेबल बदलाव दिख रहे हैं, वास्तव में फैशन के नए मूड्स को दर्शाते हैं, जिनमें आजकल के युवा सहज, बोल्ड और बेहद स्टाइलिश नजर आते हैं। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

**ओवरसाइज्ड-रिलैक्स्ड फिटः** यह बेहद कंफर्टेबल और लूज शर्ट होती है। साल 2025 की गर्मियों में इसका जलवा खूब देखने को मिला है। मार्केट में इसकी आमद और उपलब्धता देखकर यह एहसास किया जा सकता है कि इस त्योहारी मौसम में यह जलवा पूरी तरह से बरकरार रहेगा। दरअसल, ये शर्ट्स युवाओं के लिए बेहद कंफर्टेबल होती हैं। इनमें ओवरसाइज्ड कट, ड्राफ्ट शोल्डर और फ्री फ्लोइंग स्लिप इन दिनों खूब ट्रेंड में हैं। हालांकि यह नया फैशन ट्रेंड नहीं है, अमेरिका में 60 और 70 के दशक में यह ट्रेंड रहा है। लेकिन फिर बॉडी फिट शर्ट्स के चलन के कारण यह ट्रेंड गायब हो गया था। लेकिन इन दिनों टेलर्ड ट्राउजर्स के साथ लूज शर्ट्स का ट्रेंड फिर से युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। इससे इन्हें निःसंदेह कूल लुक मिलता है।

ओवरसाइज्ड शर्ट

सैज ग्रीन शर्ट

फ्लेमिंगो पिंक शर्ट

डिजिटल डिजाइन शर्ट

**एआई इंस्पायर्ड प्रिंट्सः** यह एआई का दौर है और एआई का प्रभाव फैशन ट्रेंड्स पर भी देखने को मिल रहा है। एक समय था, जब बड़े-बड़े प्रिंट्स वाली शर्ट का ट्रेंड था। लेकिन अब माइक्रो प्रिंट, ब्रश आर्ट पैटर्न और एआई जेनरेटेड डिजिटल डिजाइन वाली शर्ट्स यंगस्टर्स के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं। इसके साथ ही ग्लोबल ट्रेंड में रोज ग्राफिक और ज्योमेट्रिकल प्रिंट भी खूब देखने को मिल रहे हैं।

**अर्थी कलर्स और म्यूटेड टोनः** ये काफी नेचुरल दिखने वाले कलर होते हैं। इनमें रस्ट आयरन, सेज ग्रीन और सैंड स्टोन जैसे कलर कॉम्बिनेशन पूरी दुनिया में पसंद किए जा रहे हैं। इन कलर्स के शर्ट्स किसी भी आउटफिट के साथ इंप्रेसिव लुक देते हैं।

**बोल्ड कलर-टेक्नो प्रिंटः** हाल के दिनों में युवाओं के शर्ट्स के कलर और प्रिंट बहुत बोल्ड भी हो गए हैं। जैसे फ्लेमिंगो पिंक, टेंगरिंग यलो आदि। दरअसल, ये ब्राइट प्रिंट भी एआई जनरेटेड प्रिंट है। यह ग्लैमरस, टेक्नोआर्टिस्टिक ट्रेंड को दर्शाते हैं। खादी, जामदानी, ऑर्गेनिक कॉटन, बैंबू फैब्रिक आदि में भी ये बोल्ड कलर और प्रिंट, सस्टेनेबिलिटी के साथ कल्चर फ्यूजन के साथ देखे जा रहे हैं।

**टेक्स्चर और फैब्रिकः** आजकल यंगस्टर्स अपनी शर्ट्स के लिए सिर्फ कॉटन ही नहीं लिनेन, स्लब कॉटन और काड्रो जैसे फैब्रिक्स को भी तरजीह दे रहे हैं। ये फैब्रिक्स कंफर्टेबल तो होते ही हैं, साथ ही इन फैब्रिक से बने शर्ट साधारण लुक में भी एक खास अट्रैक्शन एड करते हैं।

**हाइब्रिड वर्जन भी है ट्रेंड मेंः** अब युवाओं की शर्ट्स सिर्फ फॉर्मल या कैजुअल भर नहीं हैं। इनका एक इंटरमीडिएट वर्जन भी आ चुका है, जो न पूरी तरह से फॉर्मल होता है और न ही पूरी तरह से कैजुअल होता है। चाहें तो आप इसे हाइब्रिड वर्जन या हाइब्रिड स्टाइल भी कह सकते हैं। मैंडरिन कॉलर शर्ट्स और स्पोर्टी एलीमेंट के साथ-साथ फैशन डिटेल वाले हाइब्रिड डिजाइन युवाओं को खूब भा रहे हैं।

**मल्टी पॉकेट्स वाली शर्ट्सः** आजकल कई सारी पॉकेट्स वाली शर्ट भी यंगस्टर्स के बीच काफी पॉपुलर हैं। कुछ शर्ट्स में तो पांच हाई पॉकेट और टेक-स्टिच सुविधाएं भी रहती हैं। अब के पहले शर्ट्स में या तो कोई जेब नहीं होती थी या एक-दो जेब होती थीं। दो से ज्यादा जेबें शर्ट्स में नहीं होती थीं। कुछ कोट शर्ट्स जरूर ऐसी होती हैं, विशेषकर मेडिकल प्रोफेशनल्स के ड्रेसअप चलन में दिखती हैं, जिनमें दो से ज्यादा और आमतौर पर चार पॉकेट्स देखी जाती हैं। लेकिन ऐसी शर्ट्स आम लोग नहीं पहनते थे। आमतौर पर अस्पतालों में नर्सें या टेक्निकल साइट्स में इंजीनियर और दूसरे कारीगर पहने दिखते हैं। कॉलेज गोइंग यंगस्टर्स में ऐसी शर्ट्स पहले नहीं दिखती थीं, लेकिन अब ऐसी शर्ट्स पहनकर यंगस्टर्स पार्टीज तक में भी दिख रहे हैं।

कुल मिलाकर हाल के दिनों में युवाओं की शर्ट्स में बहुत सारे एक्सपेरिमेंट्स किए जा रहे हैं और ये एक्सपेरिमेंट्स आज के युवाओं को खूब भा भी रहे हैं। *

सिने-जगत

डी.जे. नंदन

हिंदी फिल्मों की एक सदी से अधिक की यात्रा में अनेक ऐसे किरदार रचे गए, जिसने दर्शकों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। इनमें से कई किरदारों की लोकप्रियता आज भी कायम है। बॉलीवुड के ऐसे पांच यादगार किरदारों पर एक नजर।

# भुलाए नहीं भूलते बॉलीवुड के ये पांच यादगार किरदार

राज की भूमिका में राज कपूर

विजय की भूमिका में अमिताभ बच्चन

राज के किरदार में शाहरुख खान

भारतीय सिनेमा ने करीब सवा सौ साल की यात्रा पूरी कर ली है। इस लंबी यात्रा में भारतीय सिनेमा विशेषकर बॉलीवुड ने अनगिनत यादगार किरदार रचे हैं। कुछ किरदार पर्दे में प्रकट होते ही दर्शकों के दिल में कुछ समय के लिए जगह तो बना लेते हैं। लेकिन वक्त गुजरने के साथ इनकी छाप फीकी पड़ने लगती है। जबकि कुछ कालजयी किरदार ऐसे भी हुए हैं, जो दशकों से अलग-अलग पीढ़ियों के दिल में पूरी तरह से छाए हुए हैं और शायद अगली कई पीढ़ियों तक ऐसे ही बने रहेंगे। हालांकि तकनीकी तौर पर अभी ऐसे किरदारों ने एक शताब्दी तो नहीं पूरी की, लेकिन कुछ किरदारों की दर्शकों में जिस तरह की तरोताजगी है, वे आज भी जिस तरह रोमांचित और बेचैन करते हैं, उससे यह अतिश्योक्ति नहीं लगती कि एक सदी बाद भी वे इसी तरह सिने दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाए रखेंगे। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

**राज के किरदार में राज कपूरः** सन 1955 में राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' आई थी। इस फिल्म के किरदार राज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इस फिल्म का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिश्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। आज भी यह गीत सुना और गाया-गुनगुनाया जाता है। 'श्री 420' के राज का किरदार न केवल इस गीत के साथ भारतीय समाज की अभिव्यक्ति में तरोताजा है बल्कि बड़े-बड़े संदर्भों वाली बतकहियों या विमर्शों में भी लोग अपनी खांटी भारतीयता का एहसास कराने के लिए गीत की ये पंक्तियां गुनगुना देते हैं। फिल्म में राज एक सीधा-सादा, गरीब युवक है, जो बॉम्बे जैसे बड़े शहर में रोजी-रोटी की तलाश में आता है। लेकिन बॉम्बे की चमक-दमक और तेज रफ्तार जिंदगी में उसकी सादगी, मासूमियत और नेकदिली फिट नहीं हो पाती। लेकिन अंत में तमाम चालाकियों से भरे समाज में उसके सच्चे दिल और ईमान की यह खूबियां ही सबका दिल जीतती हैं। यह फिल्म, इसके गीत और फिल्म का किरदार राज दशकों से दर्शकों का दिल जीतता आया है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

**गब्बर सिंह के किरदार में अमजद खानः** 'शोले' फिल्म में अमजद खान द्वारा निभाया गया डाकू गब्बर सिंह का किरदार अपने आप में एक मील का पत्थर है। 'कितने आदमी थे?', 'जो डर गया, समझो मर गया', फिल्म में गब्बर सिंह द्वारा बोले गए ये डायलॉग्स सिर्फ सिने संवाद नहीं हैं बल्कि लोकभाषा के मुहावरे की तरह बन गए हैं, जो आज भी लोगों द्वारा सामान्य बातचीत में इस्तेमाल किए जाते हैं। 1975 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'शोले' ने कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही, साथ ही अमजद खान द्वारा निभाया गया गब्बर सिंह का किरदार भी दर्शकों के मन में अमर हो गया।

गब्बर सिंह के रोल में अमजद खान

**विजय के रोल में अमिताभ बच्चनः** फिल्म 'दीवार' में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता अमिताभ बच्चन का यह एंग्री यंगमैन किरदार विजय हमेशा-हमेशा के लिए फिल्मी इतिहास के फ्रेम में फ्रीज हो चुका है। याद कीजिए, फिल्म में विजय यानी अमिताभ बच्चन द्वारा बोला गया सुपरहिट डायलॉग, 'आज मेरे पास बंगला है, गाड़ी है, बैंक बैलेंस है, तुम्हारे पास क्या है?' आज भी यह डायलॉग हर सिने प्रेमी को बखूबी याद है। फिल्म ने कमाई और कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही था। इसने भारतीय समाज को आईना दिखाने के लिए एक ऐसा अमर किरदार, ऐसे अमर डायलॉग्स दिए, जो आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। विजय का किरदार हर उस आम आदमी का प्रतिनिधित्व करता है, जो मेहनत करता है, कोशिश करता है, व्यवस्था से हार जाता है और अंततः सिस्टम के खिलाफ बगावत कर बैठता है।

**राज के किरदार में शाहरुखः** 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का राज मल्होत्रा यानी शाहरुख खान अपने इस किरदार की बदौलत हमेशा-हमेशा के लिए रोमांस का पर्याय बन चुके हैं। 'डीडीएलजे' ने राज को केवल एक प्रेमी नायक नहीं बनाया बल्कि संस्कार और आधुनिकता के संगम का चेहरा भी दिया। फिल्म में राज मल्होत्रा की मुस्कान, उसकी शरारतें और सिमरन के लिए उसका धैर्य सबने दर्शकों को मोह लिया था। यह किरदार युवा पीढ़ी के बीच आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना फिल्म रिलीज के समय हुआ था।

**मुन्ना भाई के रोल में संजय दत्तः** मुन्ना भाई सीरीज की फिल्मों में संजय दत्त द्वारा निभाया गया मुन्ना का किरदार, उसके डायलॉग्स, 'जादू की झप्पी', गांधीगिरी

मुन्ना भाई के किरदार में संजय दत्त

सबकुछ आज भी उतना ही रेलिवेंट है, जितना फिल्म की रिलीज के वक्त था। फिल्म में मुन्ना का टपोरी किरदार अपने बुनियादी इंसानी गुणों के कारण बड़े पर्दे से निकल कर समाज की आत्मा में जा बसा। फिल्म में मुन्ना भाई का किरदार दर्शकों को हंसाते-हंसाते, मानवता और संवेदना का सुंदर पाठ पढ़ाता है। चाहे राज हो, गब्बर सिंह हो, विजय हो, राज मल्होत्रा हो या फिर मुन्ना भाई हो। ये सभी सिर्फ फिल्मी किरदार नहीं, ये भारतीय जनमानस में गहरी पैठ बना चुके हैं। *